विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्षः 13 | अंकः 70 | गौतमबुद्धनगर, गुरुवार 08 फरवरी 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रुपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

एक माह बाद भी ईरानी युवती का हत्यारोपी फरार

P- 4

उपजिलाधिकारी ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जेसीबी

P- 5

मुकदमों में छूट से इनकार करने वाले अपीलीय अदालत के आदेश को

P- 6

दक्षिण अफ्रीका 20 लीग से बेहतर खिलाड़ी निकालना चाहते हैं स्मिथ

हैप्पी मॉर्निंग

साली जी बड़ी ध्यान से बुक पढ़ रही थी जीजा जी- कौन सी किताब पढ़ रही हैं साली जी? साली- लड़कियों का पालन पोषण कैसे करें जीजा- क्यों क्या हुआ? साली- मैं जानना चाहती हूं कि मेरा पालन-पोषण सही से हो रहा है या नहीं

शायरी

खुद के जमीर से पूछो,
किसी अमीर से पूछो,
हवा में कितना जहर है
शहर के गरीब से पूछो.

अर्थसार

सेंसेक्स:
72,152.00
-34.09 (0.047%)
निफ्टी:
21,930.50
+1.10

मौसम

अधिकतम : 17 डिग्री से0
न्यूनतम : 07 डिग्री से0
सूयोदय शुक्रवार : 7 : 25
सूर्यास्त गुरुवार : 6 : 08

श्रीनगर में टारगेट किलिंग

आतंकियों ने पंजाब के 2 युवकों को गोली मारी, एक की मौत; हमलावरों की तलाश जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार (7 फरवरी) की शाम 7 बजे के करीब आतंकियों ने टारगेट किलिंग को अंजाम दिया। हब्बा कदल इलाके में सिख समुदाय के दो लोगों को्च सीरीज राइफल से गोली मारी गई।

अमृतसर के रहने वाले अमृत पाल (31) की मौके पर ही मौत हो गई। अमृतसर के ही रहने वाले रोहित (25) को पेट के बायीं तरफ गोली लगी है। उसका स्र्ूास्ञ्अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घटना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश जारी है।

26 फरवरी 2023 की सुबह आतंकियों ने पुलवामा में एक कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या की थी। वो अपने गांव में गार्ड का काम करते थे। सुबह के वक्त वह ड्यूटी से लौट रहे थे। तभी आतंकियों ने उन पर फायरिंग की थी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में 29 मई 2023 को आतंकियों ने एक नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मरने वाले की पहचान दीपक कुमार (दीपू) के रूप में हुई थी।

दीपक जम्मू के उधमपुर का रहने वाला था और अनंतनाग के जंगलात मंडी में सर्कस मेले में काम करता था। वह नगर से पानी लेने गया, तभी आतंकियों ने उसे बहुत पास से गोली मार दी।

उसके भाई ने बताया था कि 26 साल का दीपक परिवार में इकलौता कमाने वाला था। घटना के एक दिन पहले ही उससे फोन पर बात हुई थी। उसने कहा था कि घर खर्च के लिए कुछ पैसे भेजेगा।

भाई ने कहा कि पिछले चार साल से मेरी आंखें खराब हैं। मेरे पिता को दिखाई नहीं देता है, वे काम नहीं कर सकते। हम न्याय चाहते हैं। वारदात के विरोध में अनंतनाग सिविल सोसाइटी ने अनंतनाग में विरोध प्रदर्शन किया था।

महंगाई, बेरोजगारी, अमीरी-गरीबी की खाई, किसानों का कर्ज रिकार्ड स्तर पर

नयी दिल्ली । कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी, अमीरी-गरीबी की खाई, किसानों का कर्ज और आम आदमी की कमजोर स्थिति रिकार्ड स्तर पर है और सरकार को अग्निवीर योजना वापस लेनी चाहिए।

कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा ने वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट और केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के अंतरिम बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार को विपक्ष की आलोचना को सकारात्मकता से लेना चाहिए। देश की विकास गति को देखते हुए आकलन किया जाना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) विकास दर की पिछले दस वर्ष की तुलना में घट रही है। विदेशी

निवेश भी घट रहा है। निजी निवेश भी गिरावट में रहा है।

उन्होंने कहा कि निर्यात में गिरावट रही है जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। व्यापार घाटा भी रिकार्ड स्तर पर है। इसकी कारण रुपया घट रहा है। इसका असर घरेलू बाजार पर दिखायी दे रहा है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि हो रही है। हुड्डा ने कहा कि देश में कर्ज लगातार बढ़ रहा है। किसान कर्जवान हो रहे हैं। सरकार किसानों के कर्ज माफ नहीं करती है, लेकिन बड़े पूंजी पतियों को ऋण माफ कर दिया जाता है। सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश हो रहा है। सरकारी नौकरी घटकर 14 लाख रह गयी है। सरकार करोड़ों लोगों को निशुल्क खाद्य पदार्थ देने का दावा करती है, लेकिन भूख सूचकांक में नीचे जा रहे हैं। देश में अमीरी गरीबी की खाई बढ़ रही है। सरकार ने किसानों की फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं बढ़ाया जिससे कृषि घाटे का व्यवसाय हो गयी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लिए बजट घटाया गया है। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि बेरोजगार की दर बढ़ रही है। मोदी सरकार के कार्यकाल में 70 साल की बेरोजगारी का रिकार्ड बना है।

उत्तराखंड यूसीसी बिल पास करने वाला पहला राज्य

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में बुधवार को यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी यूसीसी बिल ध्वनि मत से पास हो गया। इसी के साथ यूसीसी बिल पास करने वाला उत्तराखंड आजाद भारत का पहला राज्य बन गया है। सीएम पुष्कर धामी ने 6 फरवरी को विधानसभा में यह बिल पेश किया था। बिल पास होने के बाद अब इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। राज्यपाल की मुहर लगते ही यह बिल कानून बन जाएगा और सभी को समान अधिकार मिलेंगे। भाजपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव में यूसीसी लाने का वादा किया था।

इस बिल के कानून बनते ही उत्तराखंड में लिव इन रिलेशन में रह रहे लोगों को रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी हो जाएगा। ऐसा नहीं करने पर 6 महीने तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा पति या पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी भी गैर-कानूनी मानी जाएगी।

बिल पास होने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- आज का ये दिन उत्तराखंड के लिए बहुत विशेष दिन है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी धन्यवाद करना चाहता हूं कि उनकी प्रेरणा से और उनके मार्गदर्शन में हमें ये विधेयक उत्तराखंड की विधानसभा में पारित करने का मौका मिला।

वास्तुशास्त्री खुशदीप बंसल 65 करोड़ की जालसाजी में गिरफ्तार

नई दिल्ली। असम पुलिस ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के साथ जाने-माने वास्तु शास्त्री खुशदीप बंसल को गिरफ्तार किया है। खुशदीप बंसल पर उनके भाई हरिश के साथ मिलकर 65 करोड़ की जालसाजी का आरोप है। स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस यूनिट ने दोनों को बाराखंभा इलाके के मॉर्डन स्कूल के पास गिरफ्तार किया। खुशदीप बंसल जाने-माने वास्तु शास्त्री है, जिन्होंने पुरानी संसद भवन की लाइब्रेरी से वास्तु ठीक करने का दावा किया था। 5 जनवरी को गिरफ्तारी के बाद असम पुलिस ने आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर ले लिया और असम के लिए रवाना हो गई।

कर्नाटक सरकार का केन्द्र के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन

सिद्धारमैया बोले-हम 100 रु भेजते हैं, 12-13 रु वापस मिलते हैं

नयी दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बुधवार को केंद्र सरकार की कर हस्तांतरण नीतियों के खिलाफ कर्नाटक कांग्रेस के 'दिल्ली चलो' विरोध प्रदर्शन का यहां जंतर-मंतर में नेतृत्व किया। सिद्दारमैया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का मुख्य इरादा राज्य और कन्नड़ लोगों के हितों की रक्षा करना है और उम्मीद है कि केंद्र सरकार उनके विरोध प्रर्दशन पर ध्यान देगी। उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र को दिए गए प्रत्येक 100 रुपये के बदले में राज्य को 13 रुपये मिलते हैं। उन्होंने केंद्र पर राज्य के लिए धन आवंटन से संबंधित

तथ्यों और आंकड़ों का खुलासा नहीं करने का भी आरोप लगाया। सिद्दारमैया ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में केंद्र का योगदान काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने अभी तक कर्नाटक में बाढ़ राहत और किसानों के मुद्दों के लिए धन जारी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि, केंद्रीय समिति ने राज्य का दौरा किया, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई, सीएम ने कहा।

कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार ने आरोप लगाया कि राज्य को जितना मिलना चाहिए था उसका केवल 13 प्रतिशत ही मिल रहा है और केंद्र को कर्नाटक को गिफ्ट सिटी भी देने हैं। उन्होंने कहा,हम अपना अधिकार मांग रहे हैं, हमें जो भी प्रतिशत मिलना चाहिए, उसका 13 प्रतिशत मिल रहा है। अगर अन्य राज्यों को लाभ मिलता है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा,उन्होंने गुजरात को गिफ्ट सिटी दी है। उन्हें हमें भी गिफ्ट सिटी देने दीजिए। उन्हें तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र को मौका देने दीजिए। भारत एक एकजुट देश है। कर्नाटक के मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद कर्नाटक में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए एक पैसा भी जारी नहीं किया गया है।

फैक्ट्री ब्लास्ट

एसपी-कलेक्टर को हटाया; सीएम से नहीं मिलने दिया तो नाराज लोगों ने किया चक्काजाम

एमपी : हरदा फैक्ट्री ब्लास्ट, रेस्क्यू पूरा : 11 मौत, 217 घायल

हरदा। पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट मामले में बुधवार को सीएम डॉ. मोहन यादव के हरदा दौरे के बाद शाम को पहले एसपी संजीव कुमार कंचन और उसके कुछ देर बार कलेक्टर ऋषि गर्ग को भी हटा दिया गया। इसके साथ ही कारखाना निरीक्षक एवं सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा नवीन कुमार बरवा को निलंबित भी कर दिया है।

कलेक्टर ऋषि गर्ग को उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन बनाया गया, जबकि एसपी संजीव कुमार को पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक पदस्थ किया गया है। नई पदस्थापना होने तक सीईओ जिला

पंचायत हरदा रोहित सिसोनिया को हरदा कलेक्टर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इससे पहले पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के करीब 26 घंटे बाद बुधवार दोपहर को रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हुई है। 217 लोग घायल हो गए, इनमें फैक्ट्री के 51 मजदूर शामिल हैं। 184 लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

घायलों से मिले सीएम, घटना स्थल पर भी पहुंचे

इधर, बुधवार को सीएम डॉ. मोहन यादव हरदा पहुंचे। जहां उन्होंने जिला अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना। सीएम ने कहा कि इस मामले में ऐसी कार्रवाई करेंगे कि लोग याद रखेंगे। सीएम यादव घटना स्थल पर भी पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों से घटना के बारे में जानकारी ली।

नाराज लोगों ने किया चक्काजाम

सीएम डॉ. यादव हरदा पहुंचे तो लोगों ने उनसे मिलने की कोशिश की, लेकिन अधिकारियों ने उन्हें रोक लिया। जिसके बाद नाराज लोगों ने चक्काजाम कर दिया और अपना गुस्सा जाहिर किया। इधर, हरदा के ही रहटाखुर्द के पास संचालित पटाखा फैक्ट्री पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कांग्रेस नेताओं के साथ धरना प्रदर्शन किया।

फैक्ट्री मालिक समेत तीन लोगों को जेल भेजा

हरदा हादसा मामले में फैक्ट्री मालिक राजेश अग्रवाल और सोमेश अग्रवाल के साथ रफीक खान नाम के आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया।

यहां से पटाखा फैक्ट्री के मालिक राजेश अग्रवाल के साथ ही रफीक खान को जेल भेज दिया। जबकि सोमेश अग्रवाल को रिमांड पर लिया है। पुलिस ने इन्हें मंगलवार की रात राजगढ़ जिले के सारंगपुर से गिरफ्तार किया था।

शरद गुट की पार्टी का नाम एनसीपी शरदचंद्र पवार हुआ

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शरद पवार गुट की एनसीपी को नया नाम दे दिया है। पार्टी अब एनसीपी शरदचंद्र पवार के नाम से जानी जाएगी। हालांकि पार्टी के चुनाव चिह्न को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है।

7 फरवरी को शरद पवार गुट ने चुनाव आयोग को पार्टी के लिए तीन नाम भेजे थे। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी , नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार।

चुनाव चिह्न को लेकर शरद पवार गुट ने तीन सिंबल चुनाव आयोग को प्रस्तावित किए हैं। इनमें बरगद का पेड़, उगता हुआ सूरज और कप-प्लेट शामिल हैं। बरगद के पेड़ मिलने की ज्यादा चर्चा है।

इससे पहले 6 फरवरी को चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र सरकार में शामिल अजित पवार गुट को असली एनसीपी बताया था।

6 महीने तक चली 10 सुनवाई के बाद पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न घड़ी अजित गुट को दे दिया था।

चुनाव आयोग ने इस फैसले के बाद शरद पवार गुट को बुधवार शाम 4 बजे तक तीन नाम भेजने की समय सीमा दी थी। आयोग ने कहा था कि अगर नाम नहीं दिए तो निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ेगा।

झारखंड के पूर्व ईडी सोरेन की रिमांड 5 दिन बढ़ी

रांची। रांची कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रवर्तन निदेशालय की रिमांड अवधि 5 दिन और बढ़ा दी है। जांच एजेंसी ने पीएमएलए कोर्ट से सोरेन की रिमांड 7 दिन बढ़ाने की अपील की।

ईडी ने कहा, पूछताछ के दौरान सोरेन ने जो जवाब दिए हैं, उनसे हम संतुष्ट नहीं हैं। कई और सवाल भी हैं, जिनके जवाब चाहिए। ऐसे में रिमांड की जरूरत होगी। अब ईडी पूर्व सीएम से 12 फरवरी तक पूछताछ करेगी।

ईडी ने कोर्ट में सौंपे व्हाट्स एप चैट के दस्तावेज

ईडी की ओर से कोर्ट में कई सबूत दिए गए। सुनवाई के दौरान श्वष्ठ ने अदालत को बताया कि हेमंत सोरेन के आवास पर जो दस्तावेज मिले हैं। इसमें कई दस्तावेज बड़गाईं अंचल के उप-निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के आवास से भी मिले थे। ईडी इस नए तथ्य के आधार पर भी जांच कर रही है।

इसके अलावा ईडी ने कोर्ट को हेमंत सोरेन और व्यवसायी विनोद सिंह के साथ ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर हुए चैट से संबंधित दस्तावेज दिया है। ईडी

ने दोनों के बीच हुई बातचीत से संबंधित 39 पेज के दस्तावेज दी है।

अब हेमंत सोरेन को रिमांड पर देने की आवश्यकता नहीं

सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन का पक्ष रख रहे महाधिवक्ता राजीव रंजन ने ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय को बताया कि रिमांड के दौरान हेमंत सोरेन को बेसमेंट में रखा गया है। हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने से पहले दो बार आठ-आठ घंटे पूछताछ की गई है। पांच दिनों के रिमांड के दौरान उनसे 120 घंटे पूछताछ की गई है। ऐसे में अब ईडी को फिर से रिमांड पर नहीं दिया जाए।

इसके जवाब में ईडी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हेमंत सोरेन की सुरक्षा को लेकर काफी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनके कमरे में एसी भी लगा दिया गया है।

आप सांसद संजय सिंह की जमानत अर्जी खारिज

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली शराब नीति में कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में करीब पांच माह से बंद आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका बुधवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एकल पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उन्हें जमानत देने से इनकार कर करते हुए कहा कि याचिका स्वीकार करने का कोई ठोस आधार नहीं है। एकल पीठ ने हालांकि, इस मामले में तेजी से सुनवाई करने के लिए निचली अदालत को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति शर्मा ने अपने आदेश में कहा,जमानत देने का कोई ठोस आधार नहीं है। हम निचली अदालत को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश देते हैं। संबंधित पक्षों की ओर से अनावश्यक स्थगन की मांग नहीं की जाएगी। निचली अदालत ने 22 दिसंबर 2023 को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। सिंह को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल चार अक्टूबर को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

समान नागरिक संहिता

उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया है। जानकारी के अनुसार, इसमें सभी नागरिकों के कल्याण के लिए एक जैसे कानून का प्रस्ताव है। हलाला तथा तीन तलाक जैसी अमानवीय प्रथाओं को प्रतिबंधित कर दिया गया है। सभी धर्मों की तलाकशुदा महिलाओं के लिए समान रूप से भरण-पोषण की व्यवस्था की गई है। सभी लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष कर दी गई है। लिव-इन संबंधों के कारण अक्सर विवाद और हिंसा की खबरें आती रहती हैं। इससे निपटने के लिए उनका पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। बहुपत्नी प्रथा को समाप्त करके सभी के लिए केवल एक विवाह का नियम प्रस्तावित है। संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता की स्पष्ट व्यवस्था के बावजूद सरकारें इस दिशा में आगे कदम बढ़ाने से हिचकती रहीं। संविधान का अनुच्छेद 44 सबसे अधिक दुष्प्रचारित हिस्सों में से एक है। इस उपबंध के साथ बहुत अन्याय हुआ है। इसमें देश के सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून बनाने की बात कही गई है। इसमें सरकार से अपेक्षा की गई है कि वह लिंग, क्षेत्र, भाषा की परवाह किए बगैर सभी के लिए एक जैसा कानून बनाए, जो मानवीय गरिमा का सम्मान करे, उसे सुरक्षा बोध दे और सभ्य समाज के मानकों पर खरा भी उतरे। दुर्भाग्यवश अनुच्छेद 44 की इस पवित्र मंशा को आगे बढ़ाने, उस पर तार्किक बहस करने के बजाय उसे सांप्रदायिक रूप देकर अछूत बना दिया गया। सुप्रीम कोर्ट का आग्रह बेकार गया। यह दस्तूर आज भी कायम है। संविधान निर्माताओं ने महसूस किया कि विवाह और भरण-पोषण से जुड़े मामलों का संबंध किसी पूजा-पद्धति से नहीं है, बल्कि इसका संबंध इंसानियत से है। नि:संतान व्यक्ति यदि किसी बच्चे को गोद लेकर अपनी वंश-परंपरा को आगे बढ़ाना चाहता है या उससे उसको सुरक्षा बोध का एहसास होता है, तो उससे किसी पूजा-पद्धति की अवमानना कैसे हो सकती है? यदि किसी कानून से किसी महिला को सामाजिक सुरक्षा मिलती है या पति से अलग होने या पति के नाराज होने के बाद उसे दर-बदर भटकने के बजाय गुजारे-भत्ते की व्यवस्था की जाती है, तो इसमें उसका धर्म कहां से आड़े आता है? महिला-पुरुष के वैवाहिक संबंधों में यदि समानता सुनिश्चित की जाती है, तो इससे किसी भी सभ्य समाज को शर्मिंदगी नहीं, अपितु गर्व होना चाहिए। आजादी के बाद हिंदू विधि में व्यापक परिवर्तन किए गए। हिंदू विवाह अधिनियम द्वारा बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाया गया। पति-पत्नी को विवाह-विच्छेद करके सम्मानपूर्वक एक-दूसरे से अलग रहने का अधिकार दिया गया। महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार दिया गया। पिता की संपत्ति में बेटियों को भी अधिकार देने की परंपरा शुरू हुई। संतान को गोद लेने के मामलों में भी पति के एकाधिकार को तोड़ते हुए महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की कोशिश की गई। हिंदू कानून में किए गए सुधारों में मानवाधिकारों और समानता के सिद्धांतों को तरजीह दी गई। पर वोट बैंक खिसकने की स्वार्थी सोच के कारण दूसरी जगहों पर ऐसा नहीं हो सका और उन्हें बेहतरी के मौके से लगातार वंचित रखा गया। आधुनिक सोच का लाभ दूसरे मतावलंबियों को भी हासिल हो, इसके लिए अदालतें लगातार कोशिश करती रही हैं। मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो मामले (1985) में सुप्रीम कोर्ट ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह खेद का विषय है कि अनुच्छेद 44 में तय राज्य की जिम्मेदारी अब निर्जीव शब्द समूहों का संग्रह बनकर रह गई है। अदालत ने कहा कि मुस्लिम समाज को इस मामले में पहल करने की जरूरत है, ताकि प्रगति की दौड़ में वे दूसरों से पीछे न रहें। हैरानी की बात यह है कि शाहबानो के जिस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने लोगों से आगे बढ़ने की पहल का आह्वान किया, उसके दुष्प्रचार ने समान नागरिक कानून की पहल को सबसे मर्मांतक चोट पहुंचाई। उसके बाद सरला मुद्गल तथा लिली थॉमस जैसे कई प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायालय ने समान नागरिक कानून के नहीं होने के दोषों को उजागर करते हुए इसका तुरंत क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया।

शर्मनाक हैं बच्चों के साथ पाशविकता की बढ़ती वारदातें!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर में बच्चों से बलात्कार के मामले जिस तेजी से बढ़ने की खबरें सामने आ रही हैं, वह बेहद चिंताजनक है. बाल अधिकार से जुड़े एनजीओ %सीआरवाई% ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला है कि बच्चों से बलात्कार के मामले वर्ष 2016 से 2022 के बीच 96 फीसदी बढ़े हैं, जिनमें सभी प्रकार के %पेनिट्रेटिव असॉल्ट% शामिल हैं. 2016 में बच्चों से बलात्कार के मामले जहां 19765 थे, वहीं 2022 में यह आंकड़ा बढ़कर 38911 हो गया. हालांकि यह मामले 2016 से ही बढ़ना शुरू नहीं हुए हैं बल्कि पिछले कई दशकों से यह सिलसिला चला आ रहा है।

10 साल में बच्चों के साथ 48,338 बलात्कार देश में जुर्म की वारदातों का लेखा-जोखा रखनेवाली एजेंसी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के ताजे आंकड़ों से साबित होता है कि बच्चों के साथ ज्यादती के मामले में हम कितना नीचे गिर चुके हैं. क्या आप यकीन करेंगे कि पिछले 10 सालों में देश में बच्चों के साथ बलात्कार की कुल 48 हजार 338 मामले दर्ज किए गए. यानी हर साल लगभग 5000 बच्चों के साथ बलात्कार और 10 सालों में इन वारदातों में पूरे 336 फीसदी यानी तीन गुने से ज्यादा का इजाफा हुआ. जाहिर है कि यह आंकड़ा हमारे समाज में बच्चों पर मंडराते खतरे की खौफनाक तस्वीर बयान करता है।

वर्ष 2019 में आई एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1994 से 2016 के बीच बच्चों के साथ बलात्कार के मामलों में पांच गुना वृद्धि हुई थी. उस समय छह बाल अधिकार संगठनों द्वारा मिलकर जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के साथ बलात्कार की घटनाएं 1994 में 3986 थीं, जो 2016 में बढ़कर 19765 हो गईं. उस रिपोर्ट में कहा गया था कि बड़ी संख्या में बच्चों की तस्करी न केवल यौन व्यापार के लिए की जाती है, बल्कि गैर-लिंग आधारित शोषण के अन्य रूपों के लिए भी की जाती है, जिसमें घरेलू श्रम, औद्योगिक श्रम, कृषि श्रम, भीख मांगना, अंग व्यापार और झूठी शादी शामिल है.% नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में जहां 18 साल से ज्यादा आयु की महिलाओं के साथ बलात्कार के कुल 28644 मामले दर्ज हुए थे, वहीं नाबालिगों के साथ बलात्कार की कुल 36069 घटनाएं हुईं. ऐसा नहीं है कि इस अपराध से निपटने के लिए पर्याप्त कानून नहीं हैं. प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसिस एक्ट (पॉक्सो) वर्ष 2012 में लागू किया गया था जिसका मकसद बच्चों को यौन उत्पीड़न और अश्लीलता से जुड़े अपराधों से बचाना है. इस कानून के तहत 18 साल से कम उम्र वालों को बच्चा माना गया है और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है. ये कानून बच्चों के खिलाफ अपराधों को %जेंडर न्यूट्रल% भी बनाता है अर्थात ये कानून लड़कियों और लड़कों दोनों के खिलाफ हुए अपराधों का संज्ञान लेता है. यह सच है कि इस कानून के कारण भी बच्चों के खिलाफ अपराध के आंकड़ों में वृद्धि हुई है क्योंकि पहले इस तरह के बहुत से मामले दर्ज ही नहीं हो पाते थे, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि अपराध के यह आंकड़े चिंताजनक नहीं हैं. अगर राज्यों की बात करें तो बच्चों के साथ बलात्कार जैसे घिनौनी वारदात के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य यानी मध्य प्रदेश सबसे आगे है. इन 10 सालों में मध्य प्रदेश में कुल 9 हजार 465 मामले दर्ज हुए, जबकि 6 हजार 868 मामलों के साथ महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर रहा. इसके बाद 5 हजार 949 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश तीसरे, जबकि 3 हजार 977 मामलों के साथ आंध्र प्रदेश की जगह चौथी रही. इन तमाम राज्यों के काफी छोटा होने के बावजूद 2 हजार 909 मामलों के साथ दिल्ली पांचवां ऐसा राज्य रहा, जिसमें बच्चों के साथ सबसे ज़्यादा बलात्कार की वारदातें हुईं।

वैसे जानकारों की मानें तो ये आंकड़ा देश में बच्चों के साथ हो रही ज्यादती की तमाम वारदातों का एक छोटा सा हिस्सा भर है. चाइल्ड रेप के जितने मामले थानों में दर्ज होते हैं, उससे ज्यादा कहीं घर-परिवार की इज्जत पर दाग मानकर घर की चारदिवारी में ही दबा दिए जाते हैं।

दरअसल जिस तरह से ऑनलाइन पोर्नोग्राफी तक लोगों की पहुंच आसान हुई है, उसका बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा में बड़ा योगदान है. कानून तो ऐसे अपराधियों को सजा देता ही है लेकिन सामाजिक स्तर पर भी ऐसा माहौल बनाना जरूरी है कि बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में कमी आए।

सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले सावधान रहिएगा जी

सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर फॉरवर्ड अब सोच समझकर कीजिएगा जी!- यदि किसी विवादित पोस्ट को लाइक भी कर दिया तो आप जेल जा सकते हैं।

सोशल मीडिया पर अब अभद्र, अपमानजनक पोस्ट पर माफ़ी मांग कर आपराधिक कार्रवाई से नहीं बचा जा सकता-सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का संज्ञान लेना ज़रूरी - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में तेज़ी से विस्तारित हो रहे डिजिटलाइजेशन के कारण विभिन्न प्रकार के ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स तेज़ी से बढ़ते जा रहे हैं, जिन्हें हम सोशल मीडिया के नाम से जानते हैं।आज करीब करीब हरमोबाइल धारकों के पास व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम सहित ऐसी अनेकों ऐप्स है जिनके माध्यम से वे अपने भावों को व्यक्त करतें है। सोशल मीडिया पर किसी पोस्ट को शेयर करना ,फॉरवर्ड करना या फिर उसे रिट्वीट कर देना काफी आम बात है। किसी भी सोशल मीडिया यूजर को जैसे ही कोई पोस्ट पसंद आता है। अक्सर वह ऐसा ही करते हैं। सोशल मीडिया पर एक विचार का समर्थन दर्शाना अर्थात वह स्वयं का विचार बन जाता है। ऐसे में जानकारी रखना काफी आवश्यक है कि सोशल मीडिया पर किसी पोस्ट को रिट्वीट करना फॉरवर्ड करना या फिर शेयर करना क्या अपराध की श्रेणी में आता है या नहीं? परंतु उनकी नजर में तो साफ सुथरे और वेज़ होते हैं। परंतु हो सकता है उससे किन्हीं अन्य वर्ग के दिल में ठेस पहुंचा रहे हो, तो फिर वह मैटर बन जाता है और शिकायतों का दौर शुरू हो जाता है जिसे माफी मांग कर समाप्त कर हल निकालने की कोशिश की जाती रही है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के अनुसार केवल माफी मांगने से काम नहीं चलेगा, ऐसे लोग माफी मांगकर आपराधिक कार्यवाही का सामना करने से नहीं बच सकते।हमने कई बार देखा है कि कई लोगों के पास फेसबुक या अन्य एप्स 5 हज़ार की अधिकतम सीमाएं तक पहुंच जाते हैं तो फिर वह अपनी प्रसिद्ध को आगेबढ़ाते हुए उसी के पार्ट-2 और पार्ट-3 जोड़ देते हैं और यह संख्या हज़ारों से लाखों तक पहुंच जाती है, जिससे सोच अपने आप को सेलिब्रिटी समझने की ओर सो चली जाती है, तो स्वाभाविक रूप से अनेक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लीक से हटकर पोस्ट शेयर या फॉरवर्ड कर देते हैं जो उनके लिए जी का जंजाल बन जाता है फ़िर माफी मांगते हैं।परंतु अब हम हजारों ग्रुप्स में देखते हैं कि अनेक पोस्ट शेयर फॉरवर्ड किए हुए मिलते हैं जो ऐसे लोगों द्वाराफॉरवर्ड किया जाता है जिनका उनसे कोई लेना देना नहीं होता बस अनर्गल विचार, अनेक विषयों पर लिखते हैं जिनमें कुछ वर्गों की भावनाओं को ठेस पहुंचती है, लेकिन अब हमें ऐसी पोस्ट शेयर फॉरवर्ड से बचने की जरूरत है वरना हमें आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। चूंकि 18 अगस्त 2023 को माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसले में इस अभद्र अपमानजनक पोस्ट को लेकर टिप्पणियां आई है, ऐसे पोस्ट पर माफी से कम नहीं चलेगा बल्कि आपराधिक कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर फॉरवर्ड अब सोच समझ कर कीजिएगा जी।

साथियों बात अगर हम दिनांक 18 अगस्त 2023 को आए एक अपेक्स कोर्ट के दो जजों की बेंच के जजमेंट की करें तो, सोशल मीडिया पर अभद्र और अपमानजनक पोस्ट को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। बेंच ने कहा कि सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने वालों को सजा देना जरूरी है, ऐसे लोग माफी मांगकर आपराधिक कार्यवाही से नहीं बच सकते।

उन्हें अपने कृत्यों का परिणाम भुगतना होगा। कोर्टने तमिल अभिनेताऔर पूर्व विधायकके खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया।

उनके खिलाफ महिला पत्रकारों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा हैकि सोशलमीडिया उपयोगकर्ताओं को इसके प्रभाव और पहुंच के बारे में सावधान रहने की हिदायत देते हुए अभिनेता और तमिलनाडु के पूर्व विधायक द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

साथियों बात अगर हम इस केस को समझने की करें तो, मामला 2018 का है। उन्होंने अपने फेसबुक पर महिला पत्रकारों को निशाना बनाते हुए एक आपत्तिजनक पोस्ट किया था। दरअसल, एक महिला पत्रकार ने तमिलनाडु के तत्कालीन राज्यपाल पर अभद्रता का आरोप लगाया था। महिला पत्रकार के इस आरोप पर उन्होंने अपनी राय रखी थी। उनके इस पोस्ट के बाद काफी विवाद हुआ था। एक राजनीतिक पार्टी ने उनके इस्तीफे की मांग की,इस पोस्ट को लेकर तमिलनाडु में उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए।जैसे ही उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ, उन्होंने तुरंत अपना पोस्ट हटा दिया और बिना शर्त माफी मांगी। एक्टर ने किसी और का पोस्ट शेयर किया था। उस समय उनकी दृष्टि धुंधली हो गई थी क्योंकि उन्होंने अपनी आँखों में दवा डाल रखी थी। इस वजह से वे देख नहीं पाए कि पोस्ट में क्या लिखा है। सोशल मीडिया पर एक्टर विधायक को कई लोग फॉलो करते हैं, जिसके चलते उनके शेयर करते ही यह पोस्ट वायरल हो गई। एक्टर के वकील ने तर्क दिया कि घटना के दिन एक्टर विधेयक अपनी आंखों में कुछ दवा डाल ली थी, जिसके कारण वह अपने द्वारा साझा की गई पोस्ट की सामग्री को नहीं पढ़ नहीं सके।

कोर्ट ने कहा कि अगर किसी को सोशल मीडिया का इस्तेमाल जरूरी लगता है तो उसे परिणाम भुगतने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने पोस्ट से संबंधित आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली याचिका लगाई थी जिसे खारिज कर दिया गया है।

टाईम पास

चिंतन की जरूरत

चुनाव में मतदान की प्रक्रिया और नतीजों में गड़बड़ियों की शिकायतें लंबे वक्त से आती रही हैं।

चंडीगढ़ में मेयर चुनाव के नतीजे तय होने के क्रम में जो घटनाक्रम सामने आए हैं, वे हैरान करने वाले हैं। चुनाव के बाद पीठासीन अधिकारी की ओर से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार की जीत का एलान किया गया, मगर इस क्रम में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने यह आरोप लगाया कि संख्या बल उनके पक्ष में होने के बावजूद आठ मत अमान्य करार दिए गए, जो खुली धांधली है।

दरअसल, चुनाव प्रक्रिया के दौरान के जो वीडियो सुर्खियों में आए, उनमें एक में यह देखा जा सकता है कि पीठासीन अधिकारी मतपत्रों पर हस्ताक्षर कर रहे थे या कुछ लिख रहे थे। कांग्रेस और आप का यह आरोप है कि ऐसा करते हुए मतपत्रों पर निशान बनाए गए, जिन्हें बाद में अमान्य करार दिया गया।

यह इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि जिस दौर में लोकतांत्रिक पारदर्शिता और स्वच्छ चुनावों की मांग जोर पकड़ रही है, मतदान और मतगणना से जुड़े भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए सभी उपाय किए जाने की बात की जा रही है, उसमें खुद पीठासीन अधिकारी के स्तर पर ही खुले तौर पर पक्षपात करने की खबर आई।

संभव है कि नतीजों से असंतुष्ट पक्ष की शिकायत को सिर्फ आरोप बता कर उन पर स्पष्टता का इंतजार किया जा सकता था, मगर सर्वोच्च न्यायालय ने इस संबंध में जो टिप्पणी की है, वह बेहद गंभीर है और सोचने पर मजबूर करती है कि अगर चुनाव में ऐसी हरकतों की छूट दी जाएगी, तो लोकतंत्र का क्या स्वरूप बचेगा!

इस मसले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वीडियो में पीठासीन अधिकारी की गतिविधि को संदिग्ध बताते हुए सख्त टिप्पणी की और पूछा कि क्या इसी तरह से चुनाव होता है! प्रधान न्यायाधीश ने यहां तक कहा कि पीठासीन अधिकारी मतपत्र में बदलाव करते दिखे हैं! क्या यह एक पीठासीन अधिकारी का बर्ताव होना चाहिए?

शायद यही वजह है कि अदालत ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताते हुए कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। यह समझना मुश्किल नहीं है कि जिस अधिकारी पर चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और स्वच्छता तय करने में एक अहम भूमिका निभाने की जिम्मेदारी थी, उसके खुद ही ऐसी गतिविधि में लिप्त होने की क्या वजहें होंगी!

चुनावी प्रक्रिया से जुड़े शीर्ष अधिकारियों का यह दायित्व होता है कि वे किसी भी दल के प्रभाव से मतगणना और नतीजों को मुक्त रखना और कोई भी भ्रष्ट गतिविधि न होने देना सुनिश्चित करें। मगर अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आसपास लोगों की मौजूदगी में पीठासीन अधिकारी ने खुद ही ऐसा कुछ किया, जिससे विपक्षी दलों को उस पर सवाल उठाने का आधार मिला।

चुनाव में मतदान की प्रक्रिया और नतीजों में गड़बड़ियों की शिकायतें लंबे वक्त से आती रही हैं। अतीत में मतपत्रों के जरिए होने वाले चुनावों में घोटालों को देखते हुए ईवीएम से मतदान की व्यवस्था बनी। मगर स्थानीय निकायों के चुनावों में अगर कहीं मतपत्रों से चुनाव होते हैं और उसमें किसी भी स्तर पर अनियमितता बरती जाती है, तो इस व्यवस्था को लेकर एक आशंका खड़ी होती है।

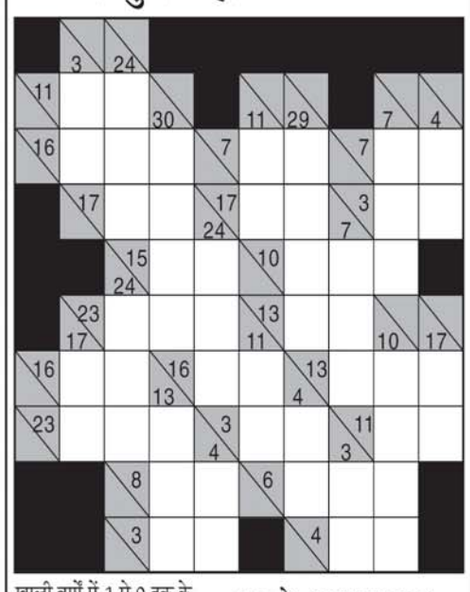

अगर चुनाव प्रक्रिया में ही स्वच्छता और पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तो उसके नतीजों के आधार पर बने शासन के केंद्रों को कैसे लोकतांत्रिक और ईमानदार कहा जा सकेगा! इसलिए सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी की अपनी अहमियत है कि देश में स्थिरता लाने की सबसे अहम शक्ति चुनाव प्रक्रिया की शुचिता है।

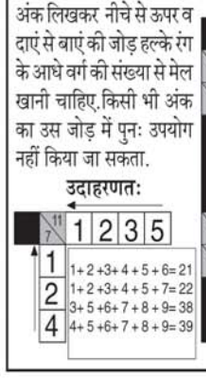

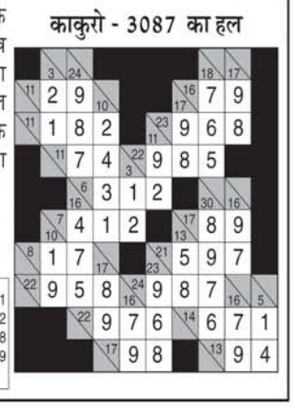

काकुरो पहेली - 3088

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3087 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा.उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है,मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला- 'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3088

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3087

सूडोकु -3088

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3087 का हल

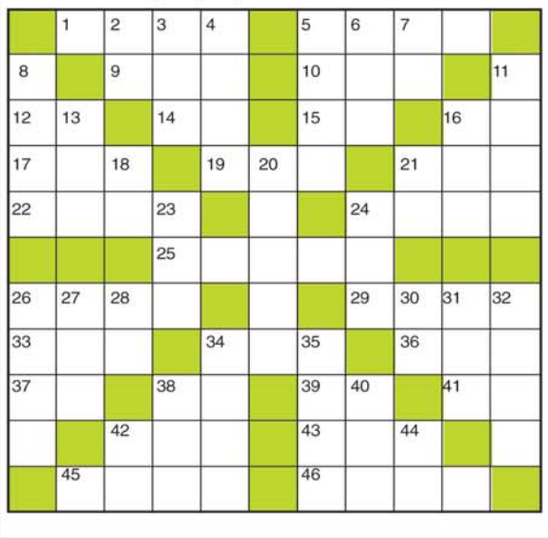

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 3088

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -3087 का हल

ग्रेनो प्राधिकरण में किसानों की महापंचायत

सैकड़ों की तादाद में ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर पहुंचे किसान, जमकर किया प्रदर्शन

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों ने जमकर हल्ला बोला। बुधवार को किसानों ने प्राधिकरण पर महापंचायत की और आगे की रणनीति तैयार की। इस दौरान सैकड़ों की तादाद में ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर किसान प्राधिकरण पहुंचे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर पिछले आठ दिनों से किसान सभा के बैनर तले किसानों का धरना-प्रदर्शन चल रहा है। अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे किसानों ने बुधवार को एक महापंचायत का आयोजन किया। इस महापंचायत में सैकड़ों की तादाद में किसान पहुंचे और प्राधिकरण पर जमकर हल्ला बोला। इस प्रदर्शन में भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं।

बता दें कि किसान 10 प्रतिशत आवासीय प्लाट और नए भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान नेता रूपेश वर्मा ने बताया कि लंबे समय से हम अपनी मांगों को लेकर प्राधिकरण से गुहार लगा रहे हैं। पिछली बार भी हमने 100 दिनों से ज्यादा धरना प्राधिकरण पर दिया था।

आगे भी जारी रहेगा धरना-प्रदर्शन

इसके बाद प्राधिकरण के अधिकारियों ने आश्वासन दिया तब हमने अपना धरना स्थगित किया था, लेकिन अब भी इनके द्वारा हमारी दोनों मुख्य मांगों को पूरा नहीं किया गया है। प्राधिकरण से शासन के लिए रिपोर्ट भेज दी गई है, लेकिन शासन से अभी तक अनुमोदन नहीं हुआ है।

अगर हमारी मांगों को नहीं माना जाता तो हमारे द्वारा यह धरना प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा।

नोएडा में डस्टबीन में मिला नवजात का शव

पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर आरोपी की पहचान में जुटी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-107 की एक सोसाइटी में रखे डस्टबीन से एक नवजात का शव मिला है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने लोक लाज के भय से ममता और मानवता को शर्मसार करते हुए अपने नवजात बच्चे को डस्टबीन में डाल दिया है। पुलिस वहां लगे सीसीटीवी कैमरे चेक कर रही है। जल्द ही नवजात के हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। सेक्टर-107 स्थित एटीएस हेडलाइट्स सोसाइटी में रखें डस्टबीन पर कुछ परिंदा मंडरा रहे थे। संदेह होने पर समिति की सिक्योरिटी गार्ड ने डस्टबीन में जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। कपड़े में लिपटा एक नवजात शिशु का शव डस्टबीन में पड़ा हुआ था। सिक्योरिटी गार्ड ने इसकी सूचना तुरंत सोसाइटी के पदाधिकारी को दी। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। इस मामले का खुलासा करने के लिए समिति में लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगाल जा रहा है। बता दें कि डस्टबीन या कूड़े के देर में नवजात शिशु मिलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। पहले भी विभिन्न थाना क्षेत्र में कई नवजात शिशुओं के शव कूड़े के ढेर व नालों से बरामद हो चुके हैं। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। ताकि नवजात के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। वहीं अस्पताल और क्लिनिक के ज़च्चा बच्चा वार्ड के रजिस्टर्ड चेक किए जा रहे है।

शार्ट न्यूज

सोलर पंप दिलाने के लिए फोन करने वालों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायें कृषक

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर राजीव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संज्ञान में आया है कि मोबाईल नम्बर 7290912735, 7037767569 आदि नम्बरों से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कतिपय कृषकों, जिनके द्वारा सोलर पम्प के लिए आवेदन किया गया है। उनके पास फोन किया जा रहा है कि सोलर पम्प का पैसा किस्तों में जमा किया जा सकता है आप हमसे सम्पर्क करें उक्त के सम्बन्ध में जनपद के कृषक भाइयों को अवगत कराना है कि सोलर पम्प के लिए कृषकों के चयन एवं टोकन कन्फर्म करने की ऑनलाइन व्यवस्था है, जो पूरी तरह से पारदर्शी है एवं टोकन कन्फर्म करने के पश्चात् कृषि विभाग के पोर्टल पर उनके पंजीकृत मोबाईल नम्बरों पर मैसेज कृषि विभाग की तरफ से जाता है साथ ही आपको अवगत कराना है कि यदि आपके पास इस तरह से दूरभाष से सम्पर्क किया जाता है तो आप सम्बन्धित मोबाईल नंबर के विरुद्ध साईबर सेल में एफआईआर भी दर्ज करायें।

जिलाधिकारी ने बिसरख ब्लॉक के आंगनबाड़ी केंद्र हरौला में हॉटकुक्ड फूड योजना का किया शुभारंभ

सोनू शर्मा विशाल इण्डिया

ग्रेटर नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर के नॉन कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगनबाड़ी केंद्र के तीन से छः साल के बच्चों को गर्म भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को डीएम मनीष कुमार वर्मा ने बिसरख ब्लॉक के आंगनबाड़ी केंद्र हरौला में हॉटकुक्ड फूड योजना का बच्चों को तहरी भोग परोसकर शुभारंभ किया।जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में 184 आंगनबाड़ी केंद्र नॉन कोलोकेटेड है। इन पर अब बच्चों को हॉटकुक्ड फूड योजना के अंतर्गत एमडीएम मीनू के अनुसार प्रतिदिन 70 ग्राम भोजन पका कर खिलाया जायेगा जिसके लिए आवश्यक धनराशि तथा राशन आपूर्ति हो चुकी है।इस अवसर पर जिला अधिकारी द्वारा एनटीपीसी दादरी, आईसीडीएस गौतमबुद्धनगर और सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो द्वारा समर्थित न्यूट्री इंडिया अभियान की शुरुआत भी की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी और सलाम नमस्ते सामुदायिक रेडियो स्टेशन प्रमुख वर्षा छाबरिया द्वारा जिलाधिकारी को पोषक संवाद ई-पत्रिका का एक मोमेंटो प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी, क्षेत्रीय मुख्य सेविका एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रही।

9 मार्च को जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का किया जायेगा आयोजन

ग्रेटर नोएडा। जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर की अध्क्षता में 9 मार्च 2024 को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। ऋचा उपाध्याय अपर जिला जज/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषत आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एनआई एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे। लोक अदालत द्वारा जारी किए गए फैसले को दीवानी अदालत के डिक्री का दर्जा प्राप्त होता है। यह फैसले बाध्यकारी होते हैं और इनके खिलाफ अपील नही की जा सकती। लोक अदालत का कोई न्यायालय शुल्क नहीं है और यदि न्यायालय शुल्क का भुगतान पहले ही कर दिया गया है। तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाती है।

पत्नी ने घर में लूट की रची झूठी साजिश

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना कोतवाली नगर के जस्सीपुरा में 4 तारीख को नगर निगम के सुपरवाइजर के यहां हुई लूट का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में सुपरवाइजर की पत्नी से ही गहने एवं कैश बरामद किए हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि महिला के भाई की शादी थी। आशंका है की उसी के लिए उसने इस वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस महिला के पति की तरफ से तहरीर का इंतजार कर रही है। गाजियाबाद की कोतवाली घंटाघर में शाहरुख अपने परिवार के साथ रहते हैं। शाहरुख नगर निगम में सुपरवाइजर के पद पर तैनात हैं। शाहरुख की बीवी ने 4 फरवरी को शाहरुख को काल किया और बताया कि घर में तीन बदमाश घुसे ओर घर मे रखे डेढ़ लाख रुपए और ढाई लाख रुपए की ज्वेलरी लूट कर फरार हो गए। जिसके बाद शाहरुख ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। पुलिस तफ्तीश में जो खुलासा हुआ उसे जानकर सभी हैरान रह गए। गाजियाबाद में डीसीपी सिटी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि जब पुलिस ने अपनी तहकीकात शुरू की और आसपास के तमाम सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो शाहरुख के घर में किसी के आने जाने के कोई सबूत नहीं मिले। जिसके बाद पुलिस का शक शाहरुख की पत्नी पर गया। पुलिस की लगातार जांच पड़ताल से शाहरुख की पत्नी ने खुद ब खुद राज उगल दिया।

बिजनेस में घाटा होने पर करने लगा एटीएम फ्रॉड

गाजियाबाद। गाजियाबाद की क्राइम ब्रांच पुलिस ने तीन ऐसे शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो एटीएम कार्ड के जरिए फ्रॉड किया करते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 92 एटीएम कार्ड और 52 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। साथ ही स्वाइप मशीन के साथ एक कार भी बरामद हुई है। गाजियाबाद में क्राइम ब्रांच के एडीसीपी सच्चिदानंद राय ने बताया कि पकड़े गए आरोपी बड़े ही शातिराना अंदाज से पहले एटीएम में जाते थे और एटीएम कार्ड की चिप पर फेवी क्रिक लगाने के बाद एटीएम मशीन में उसे दो से तीन बार स्वैप किया करते थे। जिससे कि एटीएम मशीन की रीडिंग क्षमता कम हो जाती थी। ऐसे में जब भी कोई अन्य व्यक्ति एटीएम में पैसे निकालने के लिए आता था तो उसका एटीएम वहां पर फंस जाया करता था। इस गैंग ने अपने ही गिरोह के साथी का नम्बर कस्टमर केयर के नाम पर एटीएम के भीतर चस्पा कर दिया करते थे। पीड़ित व्यक्ति उस नंबर पर कॉल किया करता था। फिर एटीएम में मौजूद गैंग उसे अपने झांसे में लेने के बाद उसका एटीएम बदलकर पीड़ित व्यक्ति के एटीएम से पैसे निकालकर वहां से रफू चक्कर हो जाया करते थे। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि इस गैंग के सरगना ने यूट्यूब के जरिए फ्रॉड करने का तरीका इजाद किया था। फिलहाल गगन, सोनू और देवेंद्र गिरफ्तार हुए हैं। वहीं एक आरोपी अभी फरार है। पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया है कि सोनू पहले रेडीमेड कपड़े का काम किया करता था।

निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे पर कार में घुसा गर्डर

गाजियाबाद। निर्माणाधीन दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे पर एक युवक को मौत छूकर निकल गई। 50 किलो से भी ज्यादा वजनी लोहे का गर्डर 20 फुट ऊंचाई से गिरकर नीचे से गुजर रही कार का शीशा तोड़कर अंदर घुस गया। शुक्र रहा कि ये गर्डर स्टेयरिंग पर आकर अटक गया और युवक की जान बच गई। हालांकि बाद में पीड़ित युवक और ठेकेदार में समझौता हो गया। इस मामले में पुलिस में शिकायत नहीं दी गई है। घटना 4 फरवरी की है, लेकिन इसका वीडियो सोशल मीडिया पर अब खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, दिल्ली से देहरादून तक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जा रहा है। ये एक्सप्रेस-वे एलिवेटेड है। 4 फरवरी को एक कार मुजफ्फरनगर जिले के कांधला से दिल्ली की तरफ जा रही थी। जब ये कार गाजियाबाद में ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के पावी गांव के नजदीक पहुंची तो अचानक एक लोहे का गर्डर शीशे को पार करता हुआ अंदर आ घुसा और स्टेयरिंग पर आकर अटक गया। कार सवार युवक को पता नहीं चला कि अचानक ये सब हुआ क्या? वो बदहवास हालत में तुरंत कार से बाहर निकला। इसके बाद पता चला कि जहां पर ये हादसा हुआ, उसके ठीक ऊपर एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य चल रहा था और इसी दौरान लोहे का एक गर्डर करीब 20 फुट ऊंचाई से नीचे गिर गया। अगर गर्डर स्टेयरिंग पर नहीं अटकता तो युवक की जान भी जा सकती थी।

अतीक अहमद की 5 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क

गौतम बुद्ध नगर। योगी सरकार की माफिया गैंगस्टर अतीक अहमद और उसके करीबियों पर कार्रवाई लगातार जारी है। ग्रेटर नोएडा में अतीक की करोड़ो की प्रॉपर्टी को कुर्क किया गया। अतीक की ग्रेटर नोएडा में स्थित कोठी को कुर्क किया गया। पुलिस ने ढोल नगाड़े बजाकर यह कार्रवाई की। माफिया अतीक अहमद की मौत हो चुकी है, लेकिन उसके बाद भी योगी सरकार उसके व उसके सहयोगियों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों पर कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में प्रयागराज पुलिस के आदेश पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर बीटा टू थाना पुलिस और नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 36 में स्थित अतीक अहमद की आलीशान कोठी को कुर्क किया। इस दौरान ढोल नगाड़े बजाकर यह कार्रवाई की गई। ढोल नगाड़े बजाते हुए लाउडस्पीकर के माध्यम से मुनादी करते हुए पुलिस ने अतीक अहमद की कोठी को सील कर दिया। अतीक की कोठी सेक्टर 36, ए-107 में है। इस तीन मंजिला कोठी की कीमत करीब 7 करोड़ रुपए बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इसी कोठी में रहकर अतीक अहमद के बेटे ने एक नामी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की थी। ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के आदेश के बाद पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर यह कुर्की की कार्रवाई की गई है। इस दौरान अतीक अहमद की कोठी को सील किया गया है।

दुकान से लाखों का पेंट चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा में अलग-अलग कंपनियों के 44 डिब्बे बरामद, 24 घंटे में खुलासा

नोएडा। निठारी गांव स्थित शर्मा पेंट एंड हार्डवेयर की दुकान से लाखों रुपए के 44 डिब्बे पेंट समेत अन्य सामान चोरी करने वाले दो आरोपियों को सेक्टर-20 पुलिस ने महज 24 घंटे के अंदर दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का सौ प्रतिशत माल बरामद हुआ है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल ऑटो को भी सीज कर दिया है। आरोपियों की पहचान प्रयागराज निवासी अरविंद उर्फ सोनू मिश्रा और बिहार निवासी पिंटू के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में नोएडा की अलग-अलग जगह पर किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं।

सेक्टर-20 थाना प्रभारी ने बताया कि मंगलवार रात को उपनिरीक्षक ने एक सूचना के आधार पर अरविंद उर्फ सोनू और पिंटू को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर चोरी के 44 डिब्बे पेंट, आठ हजार की नगदी, तमंचा और वारदात में इस्तेमाल हुआ ऑटो बरामद हुआ है। आरोपियों की गिरफ्तारी सेक्टर 31 के पास से हुई। बरामद सामान आरोपियों ने निठारी गांव स्थित शर्मा पेंट एंड हार्डवेयर की दुकान से पांच फरवरी की रात को चोरी किया था। इस घटना में प्रदीप कुमार, पुनीत ,पंडित, आकाश आदि भी शामिल थे।

फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। आरोपियों ने एक योजना के तहत शर्मा पेंट एंड हार्डवेयर की दुकान से चोरी की थी। गिरफ्तार आरोपियों में पिंटू निठारी गांव में ही दुकान चलाता है। वह इन चोरों से चोरी का माल खरीदना है तथा उसे बाजार में बेचता है। 5 फरवरी को महावीर शर्मा ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसकी दुकान से चोरों ने लाखों रुपए कीमत का पेंट का डिब्बा चोरी कर लिया है।

347 किसानों को मिलेगा 5 प्रतिशत भूखंड

सेक्टर-146 में करीब 11 हेक्टेयर जमीन की गई चिह्नित, 15 दिन में मांगी गई आपत्ति

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने पात्र 347 किसानों को 5 प्रतिशत भूखंड देने की तैयारी शुरू कर दी है। इनमें से 268 भूखंड के लिए सेक्टर-146 में पौने ग्यारह हेक्टेयर जमीन चिह्नित कर दी है। अब यहां भूखंड देने के लिए लोगों से आपत्तियां मांगी गई हैं। लोग 15 दिन में आपत्ति दे सकते हैं। नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि प्राधिकरण 347 किसानों को 5 प्रतिशत के भूखंड देने के लिए तैयार है। इसमें सेक्टर-146 में 268 भूखंड एक साथ निकाल लिए गए हैं। एसीईओ ने बताया कि भूखंड आवंटन से पहले प्लानिंग पर आपत्ति-सुझाव मांगे जाने हैं। इसके लिए सार्वजनिक सूचना जारी कर दी गई है। लोग 15 दिन के अंदर आपत्ति-सुझाव दे सकते हैं। आपत्ति-सुझाव का निवारण कर भूखंड आवंटित कर दिए जाएंगे। एसीईओ ने बताया कि शहर के सेक्टर-146 में 31 गांवों के किसानों को पांच प्रतिशत आबादी भूखंडों का आवंटन किया जाना है।

इनके अतिरिक्त 8 और गांवों मोहियापुर, सुत्याना, इलाहबास, नंगली-नंगला, रसूलपुर नवादा,

शहदरा, पर्थला खंजरपुर और छिजारसी के 5 प्रतिशत आबादी भूखंडों का नियोजन प्राधिकरण की उपलब्ध और कब्जा प्राप्त भूमि पर किया गया है। इन 31 गांवों के लगभग 268, सदरपुर गांव के 35 और 8 गांवों के 44 किसानों के लगभग कुल 347 किसानों के लिए पांच प्रतिशत आबादी भूखंड का आवंटन किया जाएगा।

इन किसानों का विवरण नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। यदि किसी किसान को इस सूची में कोई आपत्ति है या वह कोई सुझाव दर्ज कराना चाहते हैं तो इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के बाद 15 दिन अवधि में अपनी आपत्ति या सुझाव दे सकते हैं। यह आपत्ति नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में महाप्रबनधक (नियोजन) के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करनी होगी।

निर्धारित तिथि के बाद प्राधिकरण प्राप्त आपत्तियां पर कोई विचार नहीं किया करेगा। निर्धारित तिथि तक आने वाली आपत्तियां का निपटारा करने के बाद अंतिम सूची के मुताबिक भूखंड का आवंटन कर दिया जाएगा। एसीईओ ने बताया कि बाकी जो भी किसान हैं और उनको भी पांच प्रतिशत का भूखंड दिया जाएगा। इसके लिए उनकी पात्रता सूची बनवाई जाएगी। वहीं आंदोलन कर रहे किसानों को 10 प्रतिशत भूखंड देने के सवाल पर एसीईओ ने बताया कि बोर्ड के बाद शासन में यह मांग भेजी गई है। शासन से अभी कोई जवाब नहीं आया है। किसान आबादी निपटारा की मांग भी लंबे समय से कर रहे हैं।

कुत्ते को मजल लगाकर निकलना होगा बाहर

ग्रेटर नोएडा। कुत्तों को लेकर आए दिन हो रहे बवाल को देखते हुए आखिरकार जिला प्रशासन को ही सख्त कदम उठाने पड़े हैं। इन विवाद को खत्म करने के लिए एबीसी नियमों और पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम-1960 के प्रावधानों को सख्ती से लागू कराया जाएगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा, नोएडा या यमुना प्राधिकरण समेत नगर पंचायत क्षेत्रों में इसका पालन कराया जाएगा। इसमें पालतू कुत्ते को सार्वजनिक स्थान पर ले जाने के दौरान मजल का प्रयोग करना और सुनसान स्थान पर सोसाइटी में एक या एक से अधिक फूड प्वाइंट बनाने के निर्देश दिए हैं। फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स के डिप्टी रजिस्ट्रार ऋषभ कुमार अग्रवाल ने बताया कि एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के द्वारा कुत्तों व अन्य जानवरों के संबंध में जो गाइडलाइन जारी की गई है, उससे सभी निकायों और गैर सरकारी संगठनों को अवगत करा दिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा भी बीते साल 12 सितंबर को जानवरों के खिलाफ क्रूरता को रोकने के संबंध में एडवाइजरी जारी की गई थी।

कमरे में दम घुटने से बुजुर्ग की हुई मौत

नोएडा में जला हुआ था कमरे का सामान

नोएडा। सेक्टर-122 में कमरे में आग लगने से दम घुटने के कारण एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। बुधवार सुबह परिवार के लोग जब बुजुर्ग के कमरे में गए तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर मौके से पहुंची सेक्टर 113 थाना पुलिस और फॉरेंसिक की टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि बुधवार की सुबह डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि सेक्टर-122 के डी ब्लॉक में कमरे में आग लगने की वजह से एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई है।

सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि मूल रूप से कोलकाता निवासी 70 वर्षीय विप्लव कुमार मित्रा अपने दो बेटों के साथ सेक्टर-122 के डी ब्लॉक में रहते थे।

बुधवार की सुबह उनकी पत्नी जब उनके कमरे में पहुंची तो कमरे का कुछ सामान जला हुआ था और विपुल कुमार मित्रा बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़े हुए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि विप्लव काफी समय से बीमार चल रहे थे। वह घर में बने सर्वेंट रूम में रह रहे थे।

यह कमरा घर में बाहर की तरफ बना हुआ है। शुरुआती जांच में पता चला कि मंगलवार की देर रात को किसी वजह से कमरे में रखे सामान में आग लग गई। जिसका धुआं पूरे कमरे में भर गया और दम घुटने से बुजुर्ग की रात को मौत हो गई। घटना के समय परिवार के अन्य लोग घर में सोए हुए थे।

जब सुबह उनकी पत्नी कमरे में गई तो वहां पर नीचे रखा फर्नीचर के साथ ही अन्य सामान जल गया था। आग लगने से दम घुटने के कारण विपुल कुमार मित्रा की मौत हो गई। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्रित किए हैं।

ग्रेटर नोएडा डिपो पर सीएनजी पंप का निर्माण हुआ शुरु

जेवर। ग्रेटर नोएडा बस डिपो पर सीएनजी पंप का निर्माण शुरू हो गया है। जिसके पूरा होने के बाद ग्रेटर नोएडा डिपो की बसों को नोएडा सीएनजी लेने नहीं जाना पड़ेगा। जिससे समय और आने जाने के अतिरिक्त खर्च से भी राहत मिलेगी।

विभाग के अधिकारियों का दावा है कि काम करीब ढाई महीने में पूरा हो जाएगा। स्थानीय लोगों में भी सीएनजी पंप बनने से खुशी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीएनजी पंप यहां नहीं होने की वजह से ग्रेनो की बस नोएडा जाती है। जिसके चलते उनको भी इंतजार करना पड़ता है।

ग्रेटर नोएडा बस डिपो में करीब 153 बसे हैं। हरिद्वार समेत उत्तराखंड के कई जिलों समेत अन्य राज्यों के लिए यहां से बस सेवा चलाने की विभाग तैयारी कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मार्च तक यहां से बसें चलनी शुरू हो जाएंगी। लेकिन बसों को चलाने के लिए सबसे ज्यादा परेशानी सीएनजी पंप की है। क्योंकि ग्रेटर नोएडा बस डिपो में अभी तक सीएनजी पंप नहीं था।

सीएनजी लेने के लिए यहां से बसों को नोएडा करीब 35 किलोमीटर नोएडा डिपो में जाना पड़ता है। फिर वहां से वापस आना पड़ता है। लेकिन अब ग्रेनो बस डिपो परिसर में सीएनजी पंप बनने का काम शुरू हो गया है। जिसको लेकर सभी जगह पर बसें चलने लगेंगी।

एक माह बाद भी ईरानी युवती का हत्यारोपी फरार

नेपाल के रास्ते जा सकता है ईरान, कुख्यात ईरानी गिरोह से नजदीकी, जांच कर रही नोएडा पुलिस

नोएडा। सेक्टर-116 में पांच जनवरी को 22 वर्षीय ईरानी युवती जीनत की दाउद समेत अन्य ने चाकू से वार कर हत्या कर दी थी। इस मामले में सेक्टर-113 पुलिस ने तीन महिलाओं समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मुख्य आरोपी दाउद और उसके तीन अन्य साथियों को नोएडा पुलिस अभी तक नहीं तलाश सकी है। एक माह बाद भी न तो फरार आरोपियों पर इनाम घोषित हो सका है और न ही लुक आउट नोटिस जारी हुआ है।

आशंका है कि आरोपी नेपाल के रास्ते अपने वतन ईरान पहुंच गए हैं। इस मामले में यह भी कहा जा रहा है कि मृतक युवती के परिवार की कुख्यात ईरानी गिरोह के सदस्यों से नजदीकी

है। दिल्ली और नोएडा पुलिस सभी एंगल को खंगाल रही है।

गिरोह के सदस्य फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर विदेशी लोगों से लूटपाट करते हैं। जेपी अस्पताल के पास ईरानी गिरोह के बदमाशों ने बीते दो सालों में कई वारदात की लेकिन नोएडा पुलिस एक भी मामले में आरोपियों को दबोच नहीं सकी है। जेपी अस्पताल के आसपास का क्षेत्र ईरानी गिरोह का पसंदीदा क्षेत्र है। कारण यह है कि यहां अस्पताल में भारी संख्या में विदेशी इलाज कराने आते हैं और गिरोह के सदस्यों का शिकार बन जाते हैं। जीनत की उसके रिश्तेदार दाऊद, हुसैन ईरानी, वसीम, असलम, नासिर, मुर्तबा आदि ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी थी।

इस मामले में मृतका के पिता फिरोज की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने फर्सीद, जरीन, जीनत सहित चार महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के बाद से ही दाउद, हुसैन ईरानी, वसीम, असलम आदि फरार है।

पुलिस के मुताबिक करीब तीन सप्ताह तक जीनत का शव नोएडा और दिल्ली में ही रहा। इसके बाद ईरान के तेहरान में उसका अंतिम संस्कार किया गया। वीजा और पासपोर्ट संबंधी जानकारी न मिलने से जीनत के शव को ईरान भेजने में काफी समय लग गया था।

जीनत के परिवार के सदस्य खुद को कपड़े का कारोबारी बताकर नोएडा में रह रहे थे। स्थानीय लोगों को जीनत का परिवार कश्मीर का निवासी होना बताता था। ईरान के कई लोग खुद को कश्मीरी नागरिक बताकर ज्यादा किराया देकर मकान किराए पर लेते हैं, इस मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा फिरोज के नौकर को हिरासत लेने की भी चर्चा होती रही।

ग्रेटर नोएडा : व्यापारी के बेटे की हत्याकर शव नहर में फेंका

ग्रेटर नोएडा । कस्बा बिलासपुर निवासी व्यापारी अरुज सिंघल के बेटे वैभव (16) की हत्या कर दोस्तों ने शव खेरली नहर में फेंक दिया। नौ दिन से लापता वैभव की हत्या के आरोपी माज पठान और उसके नाबालिग साथी को पुलिस ने दबोच लिया। वारदात के बाद व्यापारियों में रोष व्याप्त हो गया। व्यापारियों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बाजार बंद करके बिलासपुर चौकी के सामने रोड जाम कर दिया। वहीं पुलिस के समझाने के बाद व्यापारी सिकंदराबाद-कासना रोड पर बैठ गए। इससे करीब दो घंटे तक जाम लग गया। वहीं पुलिस वैभव के शव की तलाश में जुटी है।

किराना व्यापारी अरुज सिंघल का बेटा वैभव 30 जनवरी की शाम को दुकान से घर जाने के दौरान लापता हो गया था। परिजनों ने 31 जनवरी को अपहरण का केस दर्ज कराया था। परिजन शुरू से ही अनहोनी की आशंका जता रहे थे। आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में गंभीरता से जांच नहीं की। मामले में परिजनों ने वैभव के दोस्तों पर संदेह जताया था। आठ दिन तक पुलिस को कामयाबी नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को कस्बा निवासी दो आरोपियों के नाम बताए।

पुलिस ने शक के आधार पर वैभव के दोस्त माज पठान और नाबालिग से पूछताछ की तो मामले का खुलासा हो गया। पुलिस पूछताछ में दोनों ने मिलकर वैभव की हत्या कर शव को खेरली नहर में फेंकने की बात कबूल ली।

पुलिस आरोपियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। जहां वैभव की चप्पल और कपड़े बरामद हुए। वहीं आरोपी माज ने पुलिसकर्मी की सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से माज घायल हो गया है।

12वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

नोएडा। नाश्ते में कम टोस्ट मिलने से नाराज 12वीं की छात्रा ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त उसके माता पिता नौकरी पर गए हुए थे। कोतवाली फेज टू पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मूल रूप से मैनपुरी निवासी रामवीर शर्मा, पत्नी और दो बेटियों के साथ भंगेल में रहते हैं। रामवीर होजरी कांप्लेक्स स्थित कंपनी में सुपरवाइजर हैं, जबकि पत्नी सिलाई का काम करती हैं। बेटी पूजा शर्मा (18) 12वीं की छात्रा थी। बुधवार सुबह मां ने पूजा को चाय और टोस्ट खाने दिए थे। पूजा ने टोस्ट कम बताते हुए हुए और देने को कहा। मां ने और टोस्ट नहीं होने की बात कहकर पूजा से चाय पीने के लिए कहा। इससे नाराज पूजा ने चाय पीने से इन्कार कर दिया। पूजा के पिता रामवीर और मां नौकरी पर चले गए। पूजा की बहन नहाने चली गई। इसी दौरान पूजा ने घर पर पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। बहन ने जब उसे फंदे से लटका देखा तो इसकी सूचना परिजनों और पड़ोसियों को दी।

सपा विधायक ने सदन में सरकार को घेरा

900 करोड़ के बिजली विभाग के घोटाले का मामला उठाया, 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने की मांग की

जौनपुर। जौनपुर के मछलीशहर की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने बजट सत्र में विधानसभा में बुधवार को जिले के मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा। जनता की समस्याओं के लिए वह सदन में सरकार से लगातार सवाल पूछती रही। उन्होंने बिजली प्लांट के मुद्दे पर ऊर्जा मंत्री से भी सवाल किया। विधायक ने कहा कि जो परियोजनाओं के पूरा होने की टाइमलाइन दिया गया था। उस पर सरकार खरी नहीं उतरी है।

300 यूनिट बिजली माफ करने की मांग की

विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश की दलित, आदिवासी और गरीब जनता को 300 यूनिट फ्री बिजली देने के साथ पूर्वांचल विद्युत वितरण में गलत ढंग से बिजली बिल बढ़ाकर 900 करोड़ के घोटाले का मामला संज्ञान में ले। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग के एक्सईएन, एसडीओ, जेई ने मिलकर जनता को परेशान कर रहे हैं। मनरा देवी शिक्षण संस्थान तक पिच रोड के नवनिर्माण समेत कई संपर्क मार्ग के मरम्मत का मामला भी उन्होंने उठाया।

इसके पूर्व बजट सत्र में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को भगवान राम के आदर्शों पर चलने की नसीहत दी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के जय श्री राम के नारे में सब कुछ तो है, सिर्फ राम नहीं हैं। भगवान राम ने कितने दु:ख उठाए। वे चाहते तो अपने रिश्तेदारों और बड़े-बड़े राजाओं की मदद लेकर रावण को हरा सकते थे, लेकिन उन्होंने दलितों, वंचितों, सबरी, सुग्रीव और हनुमानजी को गले लगाया।

यह मर्यादा पुरषोत्तम का रामराज है, लेकिन भाजपा के रामराज से पीडीए समुदाय गायब है।

सपा सरकार की उपलब्धियां गिनाई

उन्होंने सपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने मेट्रो लाइन बनवाई। गोमती रिवर फ्रंट बनवाया, मेदांता अस्पताल बनवाया, इलेक्ट्रिसिटी प्रोडक्शन यूनिट बनवाई, बच्चों को साक्षरता देने के लिए जगह-जगह लैपटाप बांटे, पुलिस हेडक्वार्टर बनवाया, लोकभवन बनवाया, एंबुलेंस दिया, डायल 100 दिया। जिसे आज 112 के नाम से इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के सारे काम कागजी हैं और ये कोरा कागज लेकर रामराज्य की बात करते हैं। उन्होंने जनपद में बढ़ते अपराध का भी मुद्दा उठाया। कहा कि सरकार हर स्तर पर विफल रही है।

जौनपुर में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार हुआ पशु तस्कर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थाने की पुलिस टीम ने मुठभेड़ में एक अन्तर्जनपदीय गौतस्कर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ अजयपाल शर्मा ने आज बताया कि जिले में प्रभारी निरीक्षक मुगराबादशाहपुर संजय वर्मा मय हमराह कर्मचारीगण के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर , प्रभारी निरीक्षक मीरगंज मय हमराह टीम के साथ अपराध एवं अपराधियों के बारे में बातचीत कर रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ अपराधी गरियांव से मुंगराबादशाहपुर की तरफ अपराध करने की फिराक में आ रहे है । इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त पुलिस बल द्वारा नीभापुर रेलवे क्रासिंग के पास आने जाने वाले व्यक्तियों की नियमानुसार चेकिंग की जाने लगी तभी एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये।

इन अपराधियों को रोकने का प्रयास किया गया तो गौतस्कर द्वारा पुलिस बल पर फायर किया गया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी तथा दूसरा अभियुक्त फरार हो गया । घायल अभियुक्त का नाम पता पूछने पर अपना अली हुसैन उर्फ अमन पुत्र शाह मोहम्मद निवासी नरगहना थाना पवारा जनपद जौनपुर बताया, जिसके कब्जे से एक नजायज देशी तमंचा 315 बोर व तीन जिन्दा कारतूस 315 बोर व दो खोखा कारतूस 315 बोर व चोरी एक मोटरसाइकिल बरामद हुई।

शार्ट न्यूज

एसपी ने पुलिस कार्यालय का निरीक्षण किया

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय पर आने वाले आगन्तुकों/फरियादियों व कार्यालय में तैनात महिला पुलिस कार्मियों के बच्चों के लिये पुलिस कार्यालय में किड्सजोन बनाने हेतु जगह को चिन्हित कर सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा निर्देश। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय की आंकिक शाखा व शिकायत प्रकोष्ठ का आकस्मिक निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा निर्देश। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा पुलिस कार्यालय में किड्सजोन बनाने हेतु जगह को चिन्हित कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ताकि पुलिस कार्यालय पर आने वाले आगन्तुकों/फरियादियों व कार्यालय में तैनात महिला पुलिस कार्मियों के बच्चे किड्सजोन में खेल सके । इसके उपरान्त पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय की आंकिक शाखा व शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्यालय के सभी रजिस्टरों व पत्रावलियों का अवलोकन किया गया तथा उनमें अंकित की जाने वाली प्रवष्टियों को चेक किया गया ।

एसपी ने पैदल गश्त कर कराया सुरक्षा का अहसास

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव व सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत मय थाना कोतवाली पुलिस फोर्स के थाना कोतवाली क्षेत्र मे पैदल गश्त किया गया तथा व्यापारियों/आमजन मानस से संवाद कर सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त कराया गया। एसपी द्वारा पैदल गश्त के दौरान व्यापारियों/ आमजन मानस से संवाद किया गया एवं उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी की गयी तथा दुकानों पर स्वेच्छा से सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु प्रेरित किया गया कैमरे लगने से दिन व रात में होने वाले अपराध पर नजर रखी जा सकती है । जिससे अपराधियों के मन में भय का माहौल बना रहता है। किसी भी प्रकार की घटना के बारे में जानकारी प्राप्त होने पर डायल 112 व संबंधित थाने को सूचित करें जिससे अपराधियों के विरूद्ध समय से कार्यवाही की जा सकें । व्यापारियों/आमजन मानस में सुरक्षा का भाव जागृत कर त्योहारों में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने व सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त कराया गया। पैदल गस्त के दौरान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली शशिभूषण, सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

झांसी : डीआईजी ने कार्यालय में की जनसुनवाई

ललितपुर। झांसी डीआईजी ने अपने कार्यालय पर नियमित जनसुनवाई की गई। तथा सम्बन्धित जनपदों को उचित निर्देश दिए गए। इस दौरान कार्यालय पर आए हुए फरियादियों की समस्याओं को झांसी डीआईजी कलानिधि नैथानी द्वारा गंभीरता से सुना गया तथा उनकी समस्याओं को समय वृद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। और कहा गया की तत्काल लोगों की समस्याओं का संबंधित अधिकारी निस्तारण करें। राजस्व के प्रकरणों में संयुक्त टीम बनाकर स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के आदेश दिए गये।

अपर पुलिस अधीक्षक 'दक्षिणी' द्वारा थाना महोली का किया गया वार्षिक निरीक्षण

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ0 प्रवीन रंजन द्वारा थाना महोली का वार्षिक निरीक्षण किया गया। जिसमे महिला हेल्प डेस्क, थाना कार्यालय, मालखाना, कम्प्यूटर कार्यालय, मेस, आरक्षी बैरक के साथ-साथ सम्पूर्ण थाना परिसर का निरीक्षण किया गया। थाना कार्यालय के अभिलेखों का निरीक्षण कर बेहतर रख-रखाव व उनको अद्यावधिक रखने हेतु सर्व-सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी महोली एवं प्रभारी निरीक्षक महोली सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

हाथरस में महिलाओं को पर्स चुराते पकड़ा, हंगामा

हाथरस। हाथरस में आज दो अलग-अलग स्थानों पर जमकर हंगामा हुआ। शहर के बीच बाजार में दो महिलाएं आज पर्स चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई। मौके पर भीड़ लग गई। इधर, एक रोडवेज बस एक तांगे को टक्कर मारकर भागी तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इस पर वहां यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। जैसे तैसे इन यात्रियों को शांत किया गया। शहर के रामलीला मैदान में आज एक दुकान के बाहर दो महिलाएं एक अन्य महिला का पर्स चुराती हुई पकड़ ली गईं। मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई और हंगामा शुरू कर दिया। इन महिलाओं ने इस घटना से इंकार किया। बाद में जब इन महिलाओं ने वहां माफी मांग ली तब लोगों ने छोड़ दिया। इधर, आगरा की ओर से हाथरस आ रही एक रोडवेज बस ने सादाबाद में तांगे में टक्कर मार दी। इससे तांगा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद रोडवेज बस चालक ने वहां से बस को भगा दिया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने भी बस का पीछा किया और थोड़ी दूर जाकर बस को पकड़ लिया। इस दौरान वहां यात्रियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। यात्रियों का कहना था कि या तो उन्हें हाथरस तक भिजवाया जाए या फिर उनकी टिकट के पैसे वापस दिए जाएं। पुलिस ने इन्हें समझा बुझाकर शांत किया।

अमरोहा में कलक्ट्रेट में गरजे किसान

अमरोहा। भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में संगठन के सैकड़ों पुरुष और महिला कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान चौधरी दिवाकर सिंह ने अपनी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी को संबोधित एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर विभा श्रीवास्तव को सौंपा। धरने के दौरान भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होते हुए भी सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार फैला हुआ है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, विधवा-विकलांग-किसान पेंशन समेत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में भी गड़बड़झाला किया जा रहा है। वहीं सरकार द्वारा उद्योगपतियों का कर्ज तो माफ कर दिया गया है तो सरकार को चाहिए कि देश का पेट भरने वाले अन्नदाता का कर्ज भी माफ करना चाहिए।

आजमगढ़ में रेप के आरोपी को 12 वर्ष की सजा

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले की पाक्सो कोर्ट ने सात वर्षीय मासूम के साथ रेप के आरोपी को 12 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर 40 हजार का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला पोक्सो कोर्ट के जज राम नारायन ने बुधवार को सुनाया। अभियोजन कहानी के अनुसार मुबारकपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में सात वर्षीय मासूम बच्ची 17 जनवरी 2019 को रात में लघुशंका के लिए घर से बाहर निकली । तभी आरोपी बिंदु गौड़ उर्फ नंदकिशोर पुत्र धनपति गौड़ निवासी डीह थाना मुबारकपुर पीड़िता को जबरदस्ती उठा ले गया और गांव के बाहर खेत में उसके साथ दुष्कर्म किया।

इस मामले में पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद आरोपी नंदकिशोर गौड़ के विरुद्ध चार्ज शीट न्यायालय में प्रेषित कर दिया। अभियोजन पक्ष की तरफ से विशेष लोक अभियोजक अवधेश कुमार मिश्रा तथा दौलत यादव ने पीड़िता समेत नौ गवाहों को न्यायालय में परीक्षित कराया।

कुएं में गिरकर युवक की मौत

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद जिले के थाना पचोखरा क्षेत्र में कुएं में गिरकर एक युवक की मौत हो गई। वह खेत में पानी लगा रहा था। पुलिस ने बुधवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने बताया कि गडी जादी निवासी हरिओम पुत्र शिव सिंह मंगलवार की रात खेत में पानी लगा रहा था। इस दौरान खेत पर ही बने 40 फुट गहरे कुएं में गिर पड़ा। वह काफी देर तक नहीं दिखा तो खेत पर काम कर रहे हैं अन्य लोगों ने उसकी तलाश की। बाद में पता चला कि वह कुएं में गिर गया है। पता चलते ही परिवार की लोग वहां आ गए। वहां काफी लोग एकत्रित हो गए।

25 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में जलालपुर थाने की पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में एक शातिर लूटेरा, गैंगेस्टर एक्ट का वांछित व 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने आज बताया कि अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी केराकत गौरव कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में थाना जलालपुर की पुलिस टीम द्वारा लूटेरा व गैंगेस्टर एक्ट का 25 हजार रूपये का इनामी वांछित अभियुक्त दिनेश कुमार सोनकर पुत्र छोटेलाल सोनकर निवासी मझगंवाकला थाना जलालपुर, जौनपुर पुलिस मुठभेंड में गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि जलालपुर पुलिस टीम द्वारा रात्रि चेकिंग के दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि शातिर लूटेरा व गैगेस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त वाराणसी की तरफ से असबरनपुर पुलिया अण्डरपास से मकरा बाजार, त्रिलोचन होते हुए अपने घर जायेगा, मुखबिर की सूचना पर जलालपुर पुलिस टीम द्वारा असबरनपुर पुलिया अण्डरपास के पास घेराबन्दी कर संदिग्ध वाहनो व व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी कि थोडी देर बाद वाराणसी की तरफ से हाइवे सड़क मार्ग से असबरनपुर पुलिया अण्डरपास की तरफ एक वाहन की हेट लाइट की रोशनी दिखाई पड़ी की। नजदीक आने पर रुकने का इशारा किया गया तो मोटर साइकिल सवार रूकने की जगह जौनपुर की तरफ भागने लगा।

पुलिस पार्टी द्वारा घेराबन्दी की गयी तो भागने के दौरान बदमाश ने अपने असलहा से फायर किया । इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जो भाग रहे बदमशाश के पैर में लगी। घायल बदमाश को इलाज हेतु सीएचसी रेहटी लाया गया, जहां से सदर अस्पताल जौनपुर रेफर किया गया।

आप सांसद संजय सिंह सुल्तानपुर में बयान दर्ज कराकर लौटे वापस

सुलतानपुर। दिल्ली के तिहाड़ जेल से आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने बुधवार को सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में 313 के तहत अपना बयान दर्ज कराया।

आप नेता संजय सिंह के अधिवक्ता मदन सिंह ने बताया कि आज बुधवार को कोर्ट में धारा 313 के अंतर्गत उनका बयान दर्ज किए जाने के बाद कोर्ट ने उन्हें दिल्ली के लिए वापस भेज दिया गया।

उन्होंने बताया कि अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 14 फरवरी की तिथि नियत की है। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में सांसद संजय सिंह को बुधवार की सुबह ट्रेन के माध्यम से कड़ी सुरक्षा के बीच तिहाड़ जेल से सुलतानपुर लाया गया। दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-313 के अंतर्गत आज

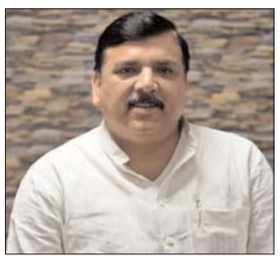

संजय सिंह का बयान दर्ज होना था। कई पेशियों से बयान दर्ज कराने की कार्रवाई में संजय सिंह समेत कई आरोपी गैरहाजिर चल रहे थे। कोर्ट ने कई बार तिहाड़ जेल प्रशासन व सम्बंधित संस्था को हाजिर होने के लिये पत्र भेजा था।

संजय सिंह के अलावा कुछ अन्य आरोपियों का भी 313 का बयान दर्ज होना था, वे लोग भी गैरहाजिर चल रहे हैं। कोर्ट ने उन्हें भी हाजिर कराने को लेकर कार्रवाई की है, कुछ आरोपियों का बयान न दर्ज हो पाने की वजह केस की सुनवाई लटकी है।

गौरतलब है कि करीब डेढ़ दशक पूर्व कोतवाली नगर क्षेत्र में डेरा डालो-घेरा डालो से जुड़े मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। सूत्रों के मुताबिक इस केस के अलावा एक अन्य मुकदमे में भी आप सांसद संजय सिंह गैर हाजिर चल रहे थे। शेष आरोपियों की उस मामले में जमानत हो चुकी है। इनकी गैरहाजिरी की वजह से केस की कार्रवाई लंबित थी।

लगे सरकार विरोधी नारे

दिल्ली के तिहाड़ जेल से आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह बुधवार को सुबह सद्भावना एक्सप्रेस ट्रेन से सुलतानपुर पहुंचे। जैसे ही ट्रेन सुलतानपुर स्टेशन पहुंची तो यहां पहले से मौजूद आप कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। सुलतानपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर सिविल पुलिस, जीआरपी व आरपीएफ टीम के जवानों से छावनी में बदल गया । उधर आप जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता एवं संजय सिंह के परिवार व मिलने वाले भी ट्रेन पहुंचने से पहले स्टेशन पहुंच गए थे। आप कार्यकार्ताओं ने हाथ में झंडा ले रखा था, लेकिन टोपी और झंडा लिए आप कार्यकर्ताओं को प्रशासन ने बाहर का रास्ता दिखाया।

चोरों ने लाखों रूपये के जेवरात व नगदी पर किया हाथ साफ

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

महोली/सीतापुर। प्रदेश की योगी सरकार लगातार आम जनमानस को भय मुक्त माहौल उपलब्ध कराने का दावा कर रही है। इसी क्रम में जनपद के तेज तर्रार पुलिस विभाग के मुखिया एसपी चक्रेश मिश्रा द्वारा सरकार के आदेशानुसार अपराधियों पर कार्रवाई कर शासन की मंशा साकार कर रहे हैं। लेकिन कोतवाली महोली क्षेत्र के अंतर्गत लगातार बढ़ रहे अपराध पर अंकुश लगाने में महोली पुलिस लाचार नजर आ रही है।जानकारी के अनुसार महोली कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में बीती रात बेखौफ चोरों ने लाखों रुपए के जेवरात व नगदी पर हाथ साफ किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भुड़िया में बीती रात अज्ञात चोरों ने इंद्राणी पत्नी इंद्रपाल के घर में दस्तक दी व कमरे का ताला तोड़कर घर में रखे बक्से से जेवरात वह रु 60000 की नगदी चोरी कर ली।इंद्राणी ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि मंगलवार की मध्य रात्रि अज्ञात चोरों के द्वारा उनके घर में घुसकर चोरी की गई। जब उन्हें घर में किसी की आहट महसूस हुई तो उनकी नींद खुली और उन्होंने देखा कि कमरे का दरवाजा व बक्सा खुला पड़ा है।

मथुरा में युवक ने किया सुसाइड

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक का शव बंद कमरे में फंदे पर लटका मिला। वृंदावन के गौरा नगर इलाके में बुधवार को युवक ने फांसी के फंदे से लटक कर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। मामला प्रेम-प्रसंग का बताया जा रहा है। गौरा नगर कॉलोनी स्थित मद्रासी मंदिर के समीप माधवी कुंज में रहने वाले राजू के 17 वर्षीय पुत्र कृष्णा ने बुधवार को गले में दुपट्टा बांध कर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद परिजनों ने ऊपर के कमरे में जाकर देखा तो कृष्णा फंदे से लटका हुआ था। आनन फानन में परिजन अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मौत को गले लगाने से पहले कृष्णा ने अपनी छोटी बहन ज्योति को कमरे से बाहर निकाल दिया था। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। लेकिन चर्चा है कि आत्महत्या के पीछे कारण युवक ने आत्महत्या प्रेम प्रसंग के चलते की है। मृतक का परिक्रमा मार्ग निवासी एक किशोरी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों द्वारा डांटने से क्षुब्ध होकर कृष्णा ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। युवक की मौत के बाद परिजन कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। युवक पत्थर लगाने का काम करता था। युवक के द्वारा आत्महत्या करने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस इस मामले में आत्महत्या किए जाने के कारणों की जांच कर रही है।

मेरठ में नाले में मिला किशोरी का शव

मेरठ। मेरठ के मेडिकल थाना क्षेत्र स्थित कीर्ति पैलेस के पास नाले में 13 वर्षीय किशोरी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। राहगीरों ने शव देखकर मामले की जानकारी थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक किशोरी की पहचान करने के बाद परिवार वालों को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच में जुट गई है। बुधवार दोपहर करीब 3: 30 बजे नाले में लोगों ने किशोरी का शव देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। वहीं परिवार वाले भी जानकारी होने पर पहुंच गए। उन्होंने हंगामा किया। पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया।

402 वां युग ऋषि वांडमय स्थापना कार्यक्रम संपन्न

महेश सिंह विशाल इंडिया

लखनऊ। इंदिरा नगर के गायत्री ज्ञान मंदिर के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत शिव चन्द्र पब्लिक इंटर कालेज, पंचवटी कालोनी खुर्रम नगर रोड़ के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 402वाँ ऋषि वांड़मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रीय कार्यकत्री रेनू श्रीवास्तव ने अपने पूज्य पिता स्व. बी.डी. श्रीवास्तव एवं पूज्य माता स्वश उर्मिला श्रीवास्तव जी की स्मृति में भेंट किया तथा उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं को भी उन्होंने अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की।

इस अवसर पर वांडमय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि साहित्य जीवन जीने की कलॉ सिखाता है। एवं श्री वी.के. श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेख शुक्ला, ने भी अपने विचार रखे। संस्थान की प्रधानाचार्य कुसुम शर्मा ने धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर उमानंद शर्मा, ऊषा सिंह, सावित्री शर्मा, रेनू श्रीवास्तव संस्थान के चेयरमैन डॉ. अभिषेक शुक्ला, निदेशक मंजू शुक्ला, व्यवस्थापक विभा सिंह, प्रधानाचार्या नीलिमा श्रीवास्तव सहित शिक्षक-शिक्षिकायें एवं छात्र/छात्रायें उपस्थित रहे।

उपजिलाधिकारी ने भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जेसीबी चलाकर किया अतिक्रमण का अन्त

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। जिले के हरगांव विकास खण्ड क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बैठे ग्रामीणों से भारी पुलिस बल, तहसीलदार सदर कानूनगो व लेख -पालों के साथ ने मौके पर पहुंच कर उप जिला अधिकारी ने पहले जमीन की पुन: पैमाइश कराई।जमीन सरकारी होने व उस पर अवैध कब्जा होने की पुष्टि होने पर जेसीबी से अतिक्रमण को हटाकर सरकारी जमीन की सफाई करवाई।

गौरतलब रहे उक्त जमीन प्रधानमंत्री की महात्वाकांक्षी योजना हर घर नल जल योजना के अन्तर्गत पानी की टंकी लगने हेतु ग्राम पंचायत से प्रस्तावित की गई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के हरगांव विकास खण्ड क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत रीछिन में लगभग एक वर्ष से अधिक समय से पानी की टंकी

का निर्माण वहां के अतिक्रमणकारियों के द्वारा रोका गया था।

तब से टंकी के निर्माण का कार्य रुका हुआ था।प्रधान मंत्री की महात्वाकांक्षी योजना हर घर जल योजना के अन्तर्गत पानी की टंकी का निर्माण होना था।

जिसको ध्यान में रखकर शासन के आदेश पर उपजिलाधिकारी सदर ज्ञानेन्द्र द्विवेदी ने तहसीलदार सदर,कानूनगो व लेखपालों सहित भारी पुलिस बल के साथ बुधवार को मौके पर पहुंच कर जेसीबी के माध्यम से सारा अतिक्रमण ध्वस्त कराकर जमीन की सफाई करवाते हुए पानी की टंकी लगाने के लिए ग्राम पंचायत के सुपुर्द कर दी।

उपजिलाधिकारी सदर ने उक्त जमीन के बदले में ग्राम प्रधान को पीड़ितों को बसने के लिए अन्यत्र जगह देने के लिए आदेशित किया।

उप जिला अधिकारी की इस कार्यवाही से समस्त ग्रामवासी संतुष्ट दिखे।

औरैया में सड़क हादसों में 5 लोग घायल

औरैया। कोतवाली क्षेत्र में बुधवार को अलग-अलग हुई 3 मार्ग दुर्घटनाओं में 5 लोग घायल हो गये। जिनमें से दो लोग गंभीर घायल हुए हैं। दुर्घटना के घायलों को स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने दो गंभीर घायलों को रेफर कर दिया। जनपद कानपुर देहात थाना कस्बा सिकंदरा निवासी शीलू कटियार (30) पुत्र वीरेंद्र कटियार अपने साथी गोलू तिवारी (28), सुभाष नगर सिकंदरा के साथ बुधवार को अपराह्न करीब 2ः15 बजे मोटरसाइकिल से जनपद इटावा के भरेह शिव मंदिर पर दर्शन के लिए जा रहे थे, जैसे ही बाइक कोतवाली क्षेत्र के हाईवे रोड मंडी गेट के समीप पहुंची, उसी समय पीछे से आ रही कार ने कट मार दिया, जिससे बाइक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। बाइक टकराने से उपरोक्त दोनों युवक रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये।

सांसद ने पिसावां में लगवाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। सुदूर ग्रामीण इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा ने बुधवार को पिसावा कस्बे में स्थित राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कराया।शिविर में क्षेत्र के कई हिस्सों से पहुंचे मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर आवश्यक दवाएं प्राप्त की।

बुधवार को भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा ने गेल इंडिया लिमिटेड के सीएसआर योजना के अंतर्गत कार्यदायी संस्था अवसर चौरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा एक वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कराया। शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, सामान्य चिकित्सक, आयुर्वेद चिकित्सकों के द्वारा मरीजों की विस्तृत जांच की गई। साथ ही शिविर में पल्स व आक्सीजन, वजन, शुगर, ब्लड प्रेशर आदि की भी जांचें की गई। शिविर के दौरान कुल 224 मरीजों का पंजीकरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर का ब्लाक प्रमुख मिथिलेश यादव व मंडल अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह ने पहुंच कर जायजा लिया। इस दौरान शिविर में चिकित्सक डीके वर्मा, ईशान मिश्र, एलआर सिंह, संदीप दिवाकर, कुलसुम खान व पैरामेडिकल स्टाफ में पंकज वर्मा, रेनू गुप्ता व सीमा गुप्ता मौजूद रहे। इस दौरान मौके पर पहुंचे मरीजों ने स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराने को लेकर धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा को धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

पाकिस्तान में चुनाव से पहले दो-दो ब्लास्ट, 27 लोगों की हुई मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में चुनाव से एक दिन पहले बलूचिस्तान में दो ब्लास्ट हुए। पहला धमाका पिशिन शहर में हुआ। इसमें 15 लोगों की मौत हुई और 30 घायल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह धमाका निर्दलीय उम्मीदवार असफंद यार खान काकड़ के ऑफिस के बाहर हुआ। धमाके के दौरान काकड़ दफ्तर में मौजूद नहीं थे। वहीं, दूसरा धमाका बलूचिस्तान के ही किला सैफुल्लाह में जेयूआई-एफपार्टी के कैंडिडेट मौलाना अब्दुल वासे के ऑफिस के बाहर हुआ। हालांकि इस हमले में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 10 घायल हुए हैं। दोनों धमाकों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव और सभी प्रांतों में चुनाव है। बलूचिस्तान के केयरटेकर सूचना मंत्री जन अचकजई ने बताया कि पहला धमाके की प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन से पता चला है कि विस्फोटक सामान एक बाइक में रखा था। इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, दूसरे धमाके की वजह सामने नहीं आई है।

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स को कैंसर हुआ

इंग्लैंड । ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स को कैंसर हुआ है। बकिंघम पैलेस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पैलेस ने एक बयान जारी कर बताया कि किंग चार्ल्स की सभी पब्लिक मीटिंग्स को कुछ समय के लिए टाल दिया गया है। पैलेस ने यह भी कहा कि किंग चार्ल्स अपने ट्रीटमेंट को लेकर बेहद सकारात्मक हैं। 75 साल के किंग चार्ल्स पिछले महीने ही तीन दिन के लिए अस्पताल में भर्ती थे। उनका प्रोस्टेट का ऑपरेशन हुआ था। उस समय उनके शरीर में किसी अन्य बीमारी के लक्षण दिखाई दिए थे। सोमवार को पैलेस ने बताया कि उन लक्षणों की जांच में एक प्रकार के कैंसर की पुष्टि हुई है। हालांकि, पैलेस ने यह भी बताया कि ये प्रोस्टेट कैंसर नहीं है।

बाइडेन का फिर मजाक उड़ा

लास वेगास । अमेरिकी राष्ट्रपति की मेंटल फिटनेस पर एक बार फिर सवालिया निशान लगे हैं। नेवादा में डेमोक्रेटिक पार्टी के दौरान बाइडेन ने कई मिनिट तक फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रेंकोइस मिटरेंड से बातचीत का जिक्र किया। फ्रेंकोइस का 1996 में निधन हो चुका है। इस बीच एनबीसी न्यूज का एक नया सर्वे सामने आया है। इसके मुताबिक- प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट की पॉपुलैरिटी रेस में इस वक्त बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से दोगुने वोट से पिछड़ रहे हैं। ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी में भी सबसे आगे चल रहे हैं।

जापान में बर्फजाल में फंसी 13 किलर व्हेल्स

टोक्यो । उत्तरी जापान के होकाइदो के पास 13 किलर व्हेल्स बर्फ के बीच में फंस गई हैं। क्योंकि नीचे भी बर्फ काफी ज्यादा है। इसकारण उन्हें रेस्क्यू करना मुश्किल है, क्योंकि बर्फ को तोड़कर वहां तक जाना पड़ेगा। 6 फरवरी 2024 की सुबह करीब 13 किलर व्हेल्स यानी ओर्का होकाइदो परफेक्टर के राउसू कस्बे में जमी बर्फ में फंस गईं। ये तैरती हुई बर्फ कहीं ऊंची कहीं नीची है। ये स्थिति समंदर के ऊपर भी है और नीचे भी। इसकारण ये मछलियां इस बर्फजाल से बाहर निकल नहीं पा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना 6 फरवरी की सुबह साढ़े आठ बजे के आसपास की है। पहले 10 व्हेल्स फंसी थीं। बाद में उसमें तीन और आकर फंस गईं। इनका वीडियो स्थानीय मछुआरों ने बनाया जो किसी तरह से उस इलाके में मछलियां पकड़ने गए थे। जिस बर्फजाल में ये मछलियां फंसी हैं, उसकी लंबाई-चौड़ाई एक किलोमीटर से ज्यादा है। ये मछलिया समंदर में तट से एक किलोमीटर दूर हैं। परेशानी ये है कि इस समय यहां का समंदर तैरते हुए मल्टी-लेवल बर्फ की परत से ढंका हुआ है। व्हेल्स तक जाकर उन्हें निकालना आसान रेस्क्यू नहीं होगा। वहीं मौसम विभाग ने सलाह दी है कि अगले 24 घंटों में समंदर की गर्मी की वजह से ये बर्फ थोड़ी और फैलेगी। तब ये मछलियां खुद से बाहर निकल आएगी। प्रो. मारी ने कहा कि तैरती हुई बर्फ का जाल इतनी आसानी से नहीं टूटता। न ही पिघलता है। क्योंकि उस बाहर की ठंडी हवा मजबूत करती है। ये बेहद सामाजिक प्राणी होते हैं। समूह में रहते हैं। परिवार का ख्याल रखते हैं। बड़ी किलर व्हेल्स अपने बच्चों को छोड़कर कहीं नहीं जाएगी।

'कृपया मेरी मदद करें...शिकागो में हमला किए गए भारतीय छात्र ने जारी किया वीडियो, पत्नी ने जयशंकर को लिखा पत्र

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में कथित तौर पर हमले का शिकार हुए एक भारतीय छात्र ने रविवार को मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि उस पर चार लोगों ने हमला किया और लूटपाट की, जिन्होंने उसे लात और मुक्कों से पीटा। हैदराबाद में रहने वाली उनकी पत्नी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर उनका इलाज कराने में सहायता का अनुरोध किया है। इंडियाना वेस्लीयन यूनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री के छात्र सैयद मजाहिर अली का एक वीडियो, जिसके चेहरे से काफी खून बह रहा है और वह मदद मांग रहे हैं, सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, साथ ही एक सीसीटीवी क्लिप भी है जिसमें एक व्यक्ति का चेहरा ढके हुए तीन लोगों द्वारा पीछा किया जा रहा है। उनकी पत्नी सैयदा रुकुलिया फातिमा रिजवी ने जयशंकर को लिखे पत्र में कहा कि उन्हें 4 फरवरी को शाम 6 बजे उनके पति के दोस्त का फोन आया कि मजाहिर अली पर शिकागो में उनके आवास के पास बहुत बुरी तरह हमला किया गया और उन्हें लूट लिया गया। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्होंने बाद में अपने पति से संपर्क किया। उन्होंने मंत्री से अपने पति के इलाज में मदद करने और उनके और उनके तीन नाबालिग बच्चों के लिए अमेरिका में उनके साथ शामिल होने के लिए यात्रा व्यवस्था में सहायता के लिए अनुरोध किया। वीडियो में घबराए मजाहिर अली ने उस दर्दनाक अनुभव का वर्णन किया जब उनके माथे, नाक और मुंह पर खून लगा हुआ था। मैं खाना लेकर सड़क पर जा रहा था, तभी चार लोगों ने मुझे पकड़ लिया और लात-घूंसों से पीटा। किसी ने मेरा फोन भी ले लिया। एक मीडिया हाउस को दिए साक्षात्कार के एक अन्य वीडियो क्लिप में उन्होंने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे मैं भूल नहीं सकता। उसने मुझ पर बंदूक तान दी. मेरे सिर पर दो घाव हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पड़ोसी के सीसीटीवी से निगरानी फुटेज के अनुसार, हमलावर कार से बाहर कूद गए और किसी पीड़ित का इंतजार करने लगे।

स्पेन में बढ़ती हुई कीमतों और करों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान किसानों ने एपी हाइवे को जाम कर दिया।

भारत से केले और पपीता खरीदना चाहता है रूस, अमेरिका और इक्वाडोर की डील के बाद चर्चा हुई तेज

वाशिंगटन। भू-राजनीतिक तनाव के कारण व्यापार संबंधों में बदलाव के तहत रूस ने पहले उसके केला के आपूर्तिकर्ता इक्वाडोरके साथ मतभेद के बीच भारत से केले की खरीद शुरू की है। यह कदम संयुक्त राज्य अमेरिका से परिष्कृत हथियारों के लिए रूस निर्मित सैन्य उपकरणों का आदान-प्रदान करने के इक्वाडोर के फैसले के मद्देनजर आया है। जनवरी में रूस को भारत से केले की पहली खेप मिली, जिसकी डिलीवरी फरवरी के अंत में होनी थी। रूसी कृषि निगरानी संस्था, रोसेलखोज्नादज़ोर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रूसी बाजार में भारतीय केले के निर्यात की मात्रा बढ़ेगी, जो भारतीय केले के आयात पर बढ़ती निर्भरता का संकेत है। अपने पर्याप्त केले उत्पादन के लिए पहचाने जाने वाले भारत ने रूस को आम, अनानास, पपीता और अमरूद जैसे अतिरिक्त फल निर्यात करने की इच्छा भी दिखाई है। रोसेलखोज्नदज़ोर ने हाल ही में कीट पाए जाने के कारण इक्वाडोर की पांच कंपनियों से केले का आयात रोक दिया है। हालाँकि, इक्वाडोर के खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने इसका विरोध करते हुए कहा कि रूस को भेजे गए शिपमेंट के केवल एक छोटे से हिस्से में कीड़े थे, जिससे कोई महत्वपूर्ण खतरा नहीं था। हालाँकि रूसी अधिकारियों ने भारत से केले आयात करने के निर्णय को सीधे तौर पर इक्वाडोर और अमेरिका से जुड़े राजनयिक घर्षण से नहीं जोड़ा है, लेकिन जिन देशों के साथ उसकी असहमति है, उनसे खाद्य आयात को सीमित करने का रूस का दृष्टिकोण अच्छी तरह से प्रलेखित है।

मुकदमों में छूट से इनकार करने वाले अपीलीय अदालत के आदेश को चुनौती देंगे ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपीलीय अदालत के उस फैसले के खिलाफ अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने का फैसला किया है, जिसने उनके सभी राष्ट्रपति प्रतिरक्षा बचाव को खारिज कर दिया था। यह देखते हुए कि चुनाव सिर्फ 10 महीने दूर हैं, अपील अदालत ने देरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए एक समय सीमा निर्धारित की।

अपील अदालत की समय सीमा को ध्यान में रखते हुए ट्रम्प शीघ्र ही शीर्ष अदालत में अपील कर रहे हैं। अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग के एक बयान के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति इस फैसले से 'सम्मानपूर्वक असहमत' हैं। चेउंग ने कहा कि 'पूर्ण प्रतिरक्षा के बिना, अमेरिका का राष्ट्रपति ठीक से काम नहीं कर पाएगा।'

ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे, जहां वह उम्मीद कर सकते हैं कि रूढ़िवादी बहुमत - जिनमें से तीन सदस्य उन्होंने नियुक्त किए हैं - उनके पक्ष में फैसला सुनाएंगे।

संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को आपराधिक आरोपों के चलते राष्ट्रपति की छूट हासिल करने की ट्रम्प की क्षमता को नकारने का फैसला सुनाया, जो पूर्व राष्ट्रपति के लिए नया कानूनी झटका है। भले ही वह 2024 के चुनाव में सबसे संभावित जीओपी उम्मीदवार बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, निक्की हेली के रूप में आखिरी महिला उसके सामने डटी हुई हैं।

डी.सी. सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय के तीन-न्यायाधीशों के पैनल द्वारा सर्वसम्मत निर्णय में कहा गया कि ट्रम्प 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को पलटने के अपने प्रयासों और 6 जनवरी 2021 को कैपिटल (जहाँ अमेरिकी संसद स्थित है) में हिंसक विद्रोह से जुड़े आरोपों के खिलाफ बचाव के रूप में प्रतिरक्षा का आह्वान नहीं कर सकते।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पैनल ने 'पूर्व राष्ट्रपतियों के संघीय आपराधिक मुकदमों के लिए एक स्पष्ट बचाव के रूप में और ट्रम्प के विशेष मामले में लागू होने पर' प्रतिरक्षा के लिए सभी तीन संभावित आधारों को खारिज कर दिया।

डीसी में अपील न्यायालय ने यह फैसला सुनाते हुए कि प्रतिरक्षा पर निर्णय लेना उसके अधिकार क्षेत्र में है, उन प्रमुख आधारों को खारिज कर दिया जिन पर ट्रम्प की कानूनी टीम ने अपना बचाव किया था, जिससे यह मुद्दा पूरी तरह से विफल हो गया।

अदालत की राय थी, 'अभियोग में आरोप लगाया गया है कि ट्रम्प ने सामान्य प्रयोज्यता के आपराधिक कानूनों का उल्लंघन किया है।'

'ट्रम्प के पास संघीय आपराधिक कानून की अवहेलना करने के लिए कोई कानूनी विवेकाधीन अधिकार नहीं है और वह अपने आचरण के लिए अदालत में जवाबदेह हैं।'

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के सामने दो विकल्प हैं। पहला विकल्प दोबारा सुनवाई के लिए कहने का है, और दूसरा डीसी में फुल सर्किट कोर्ट से मामले पर पुनर्विचार करने या सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए कहने का। ट्रम्प द्वारा प्रयोग किए जाने पर ऐसे विकल्प मामले को लटकाने में सफल होंगे। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि अपील पैनल ने उस संभावना पर विचार किया है और ऐसी देरी को रोकने के लिए कदम उठाया है।

अदन की खाड़ी में एक ही दिन में दो जहाजों पर हूती विद्रोहियों का ड्रोन अटैक, अमेरिका से आ रहा था भारत

वाशिंगटन (एजेंसी)। मध्य पूर्व के जल क्षेत्र में यात्रा कर रहे दो जहाजों पर संदिग्ध यमन समर्थित हूती विद्रोही ड्रोन द्वारा हमला किया गया। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने कहा कि पहला हमला लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में, होदेइदा के यमनी बंदरगाह के पश्चिम में हुआ। जिसमें पुल पर जहाज की खिड़कियों को मामूली क्षति हुई। इसमें कहा गया है कि हमले से पहले एक छोटा जहाज जहाज के पास था। निजी सुरक्षा फर्म एंब्रे ने जहाज की पहचान बारबाडोस-ध्वजांकित, यूनाइटेड किंगडम के स्वामित्व वाले मालवाहक जहाज के रूप में की। कंपनी ने कहा कि जहाज पर सवार किसी को भी चोट नहीं आई।

यूकेएमटीओ ने बताया कि मंगलवार को यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन के पास एक दूसरे जहाज पर हमला हुआ। एंब्रे ने इसकी पहचान मार्शल आइलैंड्स-ध्वजांकित, ग्रीक स्वामित्व वाले जहाज के रूप में की जो अमेरिका से भारत की ओर आ रहा था। एंब्रे ने कहा कि जहाज ने अपने स्टारबोर्ड की ओर से 50 मीटर दूर एक विस्फोट की सूचना दी। कोई चोट या क्षति की सूचना नहीं मिली। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के एक सैन्य प्रवक्ता, ब्रिगेडियर। जनरल याह्या सारी ने एक बयान में दावा किया कि विद्रोही बलों ने लाल सागर में दो अलग-अलग जहाजों, एक अमेरिकी और एक ब्रिटिश, पर हमला किया। उन्होंने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।

हूतियों ने अदन के तट पर हमले के बारे में कोई दावा नहीं किया। द मॉर्निंग टाइड के मालिक, ब्रिटिश फर्म फ्रुराडिनो शिपिंग ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हमले में कोई भी हताहत नहीं हुआ और जहाज सिंगापुर की ओर आगे बढ़ रहा है। नवंबर के बाद से, हमास के खिलाफ गाजा में इजरायल के हमले को लेकर विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाजों को बार-बार निशाना बनाया है। लेकिन उन्होंने अक्सर उन जहाजों को निशाना बनाया है जिनका इजराइल के साथ कमजोर या कोई स्पष्ट संबंध नहीं है, जिससे एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच व्यापार के प्रमुख मार्ग में नौवहन खतरे में पड़ गया है।

अगर चुनाव विवादित रहे तो पाकिस्तान में उथल-पुथल मच जाएगी : रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में गुरुवार को होने वाले 10वें आम चुनाव से पहले इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप (आईसीजी) की एक रिपोर्ट में भविष्यवाणी की गई है कि चुनाव में चाहे कोई भी पार्टी जीते, उसकी वैधता को चुनौती मिलनी तय है। द न्यूज की खबर में रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि प्रक्रिया में खामियों को दूर करने के अवसर तेजी से कम हो रहे हैं, इसलिए चुनाव के दिन मतदान पर विवाद हो सकता है। रिपोर्ट बताती है कि देश में गहरे ध्रुवीकरण के बीच उच्च न्यायपालिका ने यथोचित प्रतिस्पर्धी चुनाव के रास्ते में आने वाली कुछ बाधाओं को दूर कर दिया है, लेकिन दूसरी ओर, चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट का समर्थन मिला है। पीटीआई को एक समान चुनाव चिह्न न दिए जाने से भयंकर विवाद छिड़ गया है। 'पाकिस्तान गहरे राजनीतिक ध्रुवीकरण और पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की पीटीआई पर सैन्य कार्रवाई के माहौल में आम चुनाव करा रहा है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीजी एशिया के निदेशक हुआंग ले थू ने कहा, 'चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीटीआई सहित सभी दल चुनाव लड़ें और सभी मतदाता, विशेषकर महिलाएं, अपना मतदान करने में सक्षम हों। एक विवादित मतदान आने वाली सरकार की वैधता को नुकसान पहुंचाएगा, जिससे 'राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता से निपटने के लिए उसके पास पर्याप्त संसाधन नहीं होंगे जिनका आना निश्चित है।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान को बाहरी सहायता के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ एक नया, दीर्घकालिक समझौता महत्वपूर्ण होगा। लेकिन ऐसा समझौता राजनीतिक स्थिरता के अभाव में अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होगा - कुछ ऐसा जो सत्ता के शांतिपूर्ण, विश्वसनीय हस्तांतरण के बिना यह छलावा होगा।'

आतंकियों ने थाने में घुसकर 10 पुलिसकर्मियों को उतारा मौत के घाट

कराची (एजेंसी)। आतंक की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान में ही आर्तकियों ने एक थाने में घुसकर दस पुलिस वालों को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना में 6 लोग घायल हुए हैं। फिलहाल किसी आतंकी संगठन से हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।पाकिस्तान में पुलिसस्टेशन पर आतंकी हमला हुआ है। सोमवार को एक पुलिस थाने पर भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने लागातार गोलीबारी की और ग्रेनेड से हमला किया। इस हमले में 10 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। वहीं अन्य 6 बुरी तरह घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

अभी तक किसी आंतकी संगठन से हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में दरबान तहसील के चोडवान पुलिस थाने में हुआ। अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट के अनुसार, हमला स्थानीय समयानुसार लगभग तीन बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 3.30 बजे) हुआ। सबसे पहले आंतकियों ने निशाना लगाकर सिपाहियों को निशाना बनाया। इसके बाद वे पुलिस स्टेशन में घुस गए। जिसके बाद और अधिक सिपाहियों पर हमला किया।बता दें कि पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होने वाला है। गोलीबारी की खबर से पाकिस्तान के लोग दहशत में हैं। मौके पर भारी फोर्स तैनात है।

मामले में पुलिस उपाधीक्षक मलिक अनीस उल हसन ने कहा, पुलिस स्टेशन की बिल्डिंग में घुसने के बाद आतंकवादियों ने बम का इस्तेमाल किया। जिससे अधिक संख्या में सिपाही घायल हुए। इतना ही नहीं बुधवार को खैबर-पख्तूनख्वा में एक नेशनल असेंबली उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी दिन बलूचिस्तान प्रांत में एक अन्य राजनीतिक नेता की उनकी पार्टी के चुनाव कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिला पुलिस अधिकारी नासिर महमूद ने कहा, ''भारी हथियारों से लैस आतंकवादी पहले से घात लगाकर बैठे थे। हमले में हमने अपने 10 जवानों को खो दिया, जबकि छह अन्य घायल हो गए।''

हमास संघर्ष विराम पर राजी, इस्राइल को अमेरिका देगा कतर का संदेश

यरुशलम (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि हमास संघर्ष विराम पर राजी हो गया है। अब इसकी जानकारी इस्राइल को देंगे। बता दें कि हाल ही ब्लिंकन ने युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग करते हुए मध्य पूर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी से मुलाकात की। बता दें कि हमास और इस्राइल के बीच जंग में अब तक दोनों पक्षों के हजारों लोगों की मौत हो गई है। जहां इस्राइल ने हमास को पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया है। वहीं, अब एक अच्छी खबर आई है। कतर का कहना है कि हमास ने गाजा में युद्धविराम की ताजा योजना और बंधकों को छोड़े जाने के मुद्दे पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हाल ही में युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग करते हुए मध्य पूर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद थानी ने बताया कि हमास ने संघर्ष विराम प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

इधर हमास ने पुष्टि की कि उसने कतर और अन्य मध्यस्थों के बीच पेरिस में एक सप्ताह पहले किए गए प्रस्तावों पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। गौरतलब है कि कतर ने लंबे समय से हमास के साथ मध्यस्थता की है। वह अमेरिका और मिस्र के साथ मिलकर संघर्ष विराम के लिए काम कर रहा है, जिसमें लड़ाई को लंबे समय तक रोकना और गाजा में अभी भी रखे गए 100 से ज्यादा बंधकों को छुड़ाना शामिल है। इधर पीएम थानी ने पत्रकारों को बताया कि हमें बंधकों के संबंध में समझौते को लेकर हमास से जवाब मिला है। जवाब में कुछ टिप्पणियां शामिल हैं, लेकिन सामान्य तौर पर यह सकारात्मक है।

इधर एंटनी ब्लिंकन ने पुष्टि की कि अधिकारियों को हमास की प्रतिक्रिया मिल गई है। वह बुधवार को इस्राइल के नेताओं को देश का दौरा करने पर जानकारी देंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने दिन की शुरुआत में मिस्र के अधिकारियों से भी मुलाकात की और सोमवार को वह सऊदी अरब में थे। वह इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के समझौते पर जोर देने के लिए यह दौरा कर रहे हैं। वहीं अब हमास ने बंधकों के समझौते पर आधिकारिक तौर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। हालां?कि गाजा में लड़ाई रुकने में अभी समय लगेगा।

क्या है इद्दत....जिसकी नाफरमानी के कारण इमरान और बुशरा को हुई 7 साल की सजा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में गुरुवार को आम चुनाव हैं। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गैरकानूनी तरीके से शादी पर 7 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इमरान और उनकी पत्नी बुशरा के खिलाफ इद्दत मैरिज केस में फैसला सुनाकर कहा कि ये शादी गैर-इस्लामिक है। बात दें कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान को चुनाव से पहले एक के बाद एक तीन मामलों में सजा हो गई। ताजा केस अवैध शादी का है। मामले को खुद बुशरा के पूर्व पति खावर फरीद मानेका कोर्ट तक लेकर गए थे। उनका कहना था कि इमरान से रिश्ते के समय बुशरा का इद्दत का समय चल रहा था। दोनों ने इसी पीरियड में निकाह किया, जो पाकिस्तान पीनल कोड की धारा 496 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

क्या है इद्दत

बात दें कि यह इंतजार की अवधि है। इसका पालन किसी महिला को तब करना होता है, जब उसके शौहर की मौत हो जाए। इस दौरान महिला एक निश्चित वक्त तक शादी नहीं कर सकती है। ये समय करीब 4 महीने लंबा होता है। तलाक के बाद भी ये वेटिंग पीरियड मानना जरूरी है। इस अवधि को कुरू कहते हैं, हालांकि बोलचाल में इद्दत ही कहा जाता है। दरअसल इद्दत का मुख्य उद्देश्य ये सुनिश्चित करना है कि इस दौरान महिला गर्भवती नहीं। अगर इद्दत का समय पूरा किए बगैर महिला शादी कर ले और इसके बाद प्रेग्नेंसी सामने आए तब ये हो सकता है कि बच्चे की वैधता पर शक हो। इसी शक को दूर करने के लिए इद्दत की अवधि लंबी रखी गई ताकि प्रेग्नेंसी (अगर हो तो) पता लग जाए। इसमें ये भी है कि गर्भवती होने पर महिला बच्चे के जन्म तक नई शादी नहीं कर सकती।

एफआईएच प्रो लीग से युवाओं को सर्वश्रेष्ठ टीमों की शैली का पता चलेगा: हरमनप्रीत

भुवनेश्वर ।

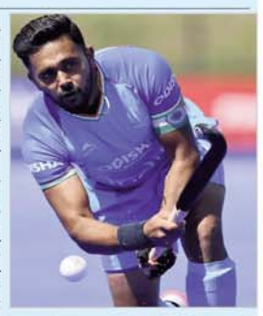

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि दस फरवरी से शुरु हो रहे एफआईएच प्रो लीग चरण में खेलने का लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। हरमनप्रीत के अनुसार इससे भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों को विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों की शैली का पता चलेगा। हरमनप्रीत ने कहा कि हम हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के एक सफल दौरे से वापस लौटे हैं वहां हमें प्रो लीग से पहले फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के खिलाफ खेलने से अपने खेल की समीक्षा का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि इस बार कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है और यह उनके लिए विश्व की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों की खेल शैली को जानने का एक अच्छा अवसर होगा। उन्होंने कहा कि हम प्रो लीग पर काफी ध्यान दे रहे क्योंकि इसे जीतने से हमें एफआईएच हॉकी विश्वकप 2026 के लिए सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके साथ ही यह आयोजन पेरिस 2024 ओलंपिक की तैयारी में भी अहम भूमिका निभाएंगे। भारतीय टीम प्रो लीग के इस सत्र के अपने पहले मैच में 10 फरवरी को स्पेन से, उसके बाद 11 फरवरी को नीदरलैंड से खेलेगी। भारतीय टीम इसके बाद 15 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और 16 फरवरी को भुवनेश्वर चरण के आखिरी मैच में आयरलैंड से खेलेगी।

नए अध्याय के लिए तैयार हैं डेनिएल कोलिन्स

नई दिल्ली।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी डेनिएल कोलिन्स ने इस सीजन के अंत तक पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने लगातार यात्रा की मांगों और खेल के साथ जुड़ी गतिविधियों से दूर अधिक सामान्य जीवन में लौटने की अपनी इच्छा भी जाहिर की। 30 वर्षीय डेनिएल कोलिन्स विश्व नंबर एक इगा स्विएटेक से दूसरे दौर में हार के बाद पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन में घोषणा की थी कि 2024 डब्ल्यूटीए टूर सीजन दौरे पर उनका अंतिम वर्ष होगा। मंगलवार को अबू धाबी में नाओमी ओसाका के खिलाफ शुरुआती दौर में सीधे सेटों में जीत के बाद उन्होंने अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। कोलिन्स ने डब्ल्यूटीए वेबसाइट को बताया, इस साल की शुरुआत में छुट्टियों के आसपास मैंने फैसला किया कि यह मेरा आखिरी सीजन होगा। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं और इसका इंतजार कर रही हूं। कुछ अन्य खिलाड़ियों की तुलना में, मैं इतने लंबे समय तक दौरे पर नहीं रही। कुछ मायनों में ऐसा लगता है कि मैंने थोड़े दिन पहले ही खेलना शुरू किया है, तो कभी ऐसा लगता है कि मैं बहुत समय से खेल रही हूं। कोलिन्स ने कहा कि करियर के दौरान कई बार चुनौतियां आईं। खासकर स्थिर घरेलू जीवन के आदी खिलाड़ी के लिए यह आम बात है। मैं निश्चित रूप से अपने खेल से प्यार करती हूं। यह मजेदार भावनाओं का एक रोलरकोस्टर रहा है। हालांकि, इस दौरान ऐसा समय भी आता है जो मुश्किल होते हैं। उन्होंने आगे कहा, इस समय मुझे लगता है कि मैं अगले अध्याय के लिए तैयार हूं। मैं इसे लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे एक अंतिम तिथि की आवश्यकता थी और इससे मेरे परिवार और दोस्तों को कुछ अंतिम टूर्नामेंटों में मेरा समर्थन करने का समय मिलेगा। मुझे लगता है कि यह वाकई खास होगा।

संक्षिप्त समाचार

एसए20 लीग रही है सफल : ग्रीम स्मिथ

युवा क्रिकेटरों को हुआ है लाभ

केप टाउन ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और एसए20 लीग कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि इस क्रिकेट लीग को उम्मीदों से ज्यादा सफलता मिली है। ये लीग आईपीएल की तर्ज पर ही शुरु की गयी है। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के लगभग सभी बड़े खिलाड़ी खेल रहे हैं। स्मिथ ने कहा कि इस लीग के प्रति लोगों का जबरस्त रुझान देखा गया है। साथ ही कहा कि इस एसए20 लीग से युवा क्रिकेटरों को लाभ हुआ है और उन्हें अपने कौशल को निखारने के साथ ही पैसे कमाने का भी अवसर मिला है। इस लीग ने प्रशंसकों को उत्साहित करने और सभी उम्र के नए दर्शकों को अपनी ओर मोड़ने में भी अहम भूमिका निभाई है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कहा, एसए20 लीग शुरू करते समय हमारा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट में सकारात्मकता लाना और उभरती प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर अपने कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था। हम चाहते थे कि लीग खेल और मनोरंजन का मिश्रण हो, जिससे प्रशंसकों को मौका मिले। एसए20 की सफलता ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया है। सभी छह स्थानों पर स्टेडियम खचाखच भरे हुए हैं, जो अक्सर क्षमता के करीब पहुंच जाते हैं।लीग की वैश्विक अपील बढ़ी है, जिसने दुनिया भर से प्रशंसकों को आकर्षित किया है।

ऋषभ अब शायद ही विकेटकीपिंग कर पायें : फारूख इंजीनियर

मुम्बई ।

भारत के दिग्गज विकेटकीपर रहे फारुख इंजीनियर ने कहा है कि आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अब शायद ही विकेटकीपर की भूमिका निभा पायेंगे। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही अब तक खेल से दूर हैं। उनके अगले माह आईपीएल 2024 सत्र से खेल में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं पूर्व विकेटकीपर फारुख का मानना है कि ऋषभ वापसी पर शायद ही विकेटकीपिंग कर पायें। उनके अनुसार कार हादसे में इस क्रिकेटर को कई गंभीर चोटें आई हैं, जिसके कारण अब उनके लिए दोबारा विकेटकीपिंग करना संभव नहीं रहेगा। साथ ही कहा कि इस चोट के कारण वह अपने सिक्स सेंस खो चुके हैं जबकि विकेटकीपिंग में इसका होना बहुत जरूरी है। गौरतलब है कि 85 वर्षीय इंजीनियर को हाल ही में बॉम्बे जिमखाना ने सम्मानित किया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऋषभ अब भी टीम इंडिया के लिए बल्ले से मैच विजेता साबित होगा पर वह शायद ही विकेटकीपिंग कर पाये। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि जब मैंने ऋषभ के साथ हुए हादसे की खबर सुनी थी तो मैं बहुत निराश था। उम्मीद करता हूं अब वह बेहतर हो गया है। मुझे नहीं लगता कि अब वह बतौर विकेटकीपर खेल पाएंगे क्योंकि जब आप पैनापन खो देते हैं और सिक्स सेंस कमजोर हो जाता है तो विकेटकीपिंग करना संभव नहीं होता। साथ ही कहा कि उनकी बल्लेबाजी क्षमताएं शानदार हैं। उनमें बल्लेबाज के तौर पर खेल का रुख बदलने की क्षमता अब भी है। बतौर बल्लेबाज उनका आत्मविश्वास देखते ही बनता है। बिल्कुल मेरी तरह उन्होंने कहा था कि स्पिनरों को खेल में हावी नहीं होने देना चाहिए।

एसएएफएफ अंडर19 : दूसरे हाफ के ब्लिट्ज में भारत की महिला टीम फाइनल में पहुंची

ढाका।

यहां मंगलवार को बीएसएसएसएम के स्टेडियम में अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में भारत ने नेपाल को 4-0 से हराकर दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (एसएएफएफ) अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। भारत अब गुरुवार को खेले जाने वाले फाइनल में मेजबान और गत चैंपियन बांग्लादेश से भिड़ेगा। यंग टाइग्रेसेस ने इससे पहले अपना पहला मैच भूटान के खिलाफ 10-0 से जीता था, इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ 0-1 से हार मिली थी। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद भारतीय लड़कियों ने दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे। नेहा, सिबानी देवी और सुलंजना राउल की भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति ने बार-बार अंतराल पर प्रतिद्वंद्वी रक्षा को तोड़ दिया, नेपाल को दूसरी फिउड खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। विंगर नेहा ने अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें दूसरे हाफ में दो गोल भी शामिल थे, जबकि सुलंजना राउल और स्थानापन्न खिलाड़ी सिंडी टेमरुतपुई कोलनी ने देर से दो गोल करके भारत की आसान जीत सुनिश्चित कर दी। युवा बाघिनों ने फ्रंटफुट पर शुरुआत की, उनके अधिकांश हमले बाईं ओर से आए, जहां नेहा ने बढ़त बनाने के लिए अपनी गति का इस्तेमाल किया। उनके क्रॉस नेपाल की रक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए थे, जिनसे निपटने के लिए उन्हें काफी पसीना बहाना पड़ा। नेपाल की गोलकीपर लीला जोशी की भारत के केंद्रों से निपटने में असमर्थता ने भी बॉक्स में सामान्य ओवरलोड में योगदान दिया, क्योंकि उन्होंने शुरुआती आदान-प्रदान में गेंद को तीन बार गिराया। सुलंजना राउल, सिबानी देवी और पूजा, जो तीन मौकों पर करीब थीं, मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहीं। नेपाल की दक्षिणपंथी सेनू परियार के पास दोपहर का एकमात्र मौका था, जब उन्हें भारतीय रक्षापंक्ति के पीछे लगाया गया था, लेकिन उनके पास गोली चलाने के इरादे से आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त कोण नहीं था; अंततः उसे बेदखल कर दिया गया।भारत 54वें मिनट में फिर से शुरू होने के बाद सफलता पाने में सफल रहा, जब सिबानी के बाएं पैर के क्रॉस ने नेहा को सुदूर पोस्ट पर पाया, क्योंकि उसने बेहद संकीर्ण कोण से स्कोर करने के लिए इसे कीपर के पीछे धकेल दिया। उस लक्ष्य ने भारत को बहुत आत्मविश्वास दिया, क्योंकि नेपाल के लक्ष्य पर अधिक हमले हुए। पूजा ने दाहिनी ओर से बॉक्स में प्रवेश करते हुए नेपाल के गोलकीपर जोशी को पीछे छोड़ा और नेहा को पास दिया, जो लक्ष्य से चूक गई। घंटे के निशान पर राउल के एक शॉट को दिव्या यास्माली मागर ने लाइन से बाहर कर दिया। जैसे ही गेंद क्रॉसबार से बाहर आई, नेहा ने बॉक्स के अंदर से एक ब्लास्ट किया और सिबानी ने रिबाउंड से उसके शॉट को स्टैंड में भेज दिया। नेहा की दृढ़ता का दूसरी बार फल मिला जब घड़ी में 10 मिनट का विनियमन समय शेष होने पर, उसे स्थानापन्न अरीना देवी से पास मिला, जिसने खुद अपने मार्कर को साइड-स्टेप करने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, क्रॉस करने के बजाय, नेहा ने बॉक्स के बाहर से अपना प्रयास किया, क्योंकि गेंद शीर्ष कोने में घुस गई।राउल, जिनके पास पूरे मैच में काफी मौके थे, ने अंततः 85वें मिनट में खेल का तीसरा गोल किया। आंदोलन, हमेशा की तरह, नेहा क्रॉस के साथ शुरू हुआ, जो सिबानी को सुदूर पोस्ट पर मिला। उसने अपने पहले स्पर्श के साथ इसे गोल के सामने वापस भेज दिया।

आक्रामक शैली अपनाने के प्रयास में विफल हो रहे रुट : कुक

लंदन ।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट इस सीरीज में तेजी से रन बनाने का प्रयास करने के कारण विफल रहे हैं। कुक के अनुसार रुट धीमी गति से खेलते हैं पर वह कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रैंडन मैक्कुलम की आक्रामक रणनीति में फिट होने के लिए अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेलते हुए जरुरत से ज्यादा तेज खेलने का प्रयास कर रहे हैं। इसी दौरान वह अपने शॉट संतुलन नहीं कर पा रहे हैं। इसी कारण वह अब तक बड़े स्कोर नहीं बना पाये हैं। इंग्लैंड ने पिछले कुछ समय से आक्रामक रणनीति अपना रखी है। ये रणनीति कोच मैक्कुलम के खेलने की शैली से जुड़ी है। कुक की कप्तानी में ही इंग्लैंड की टीम ने साल 2012 में भारत में टेस्ट सीरीज जीती थी. इसके बाद से ही कोई भी विदेशी टीम भारतीय धरती पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है।

कुक ने कहा कि रूट दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में हर गेंद पर प्रहार करना चाहते थे। वह 10 गेंदों में 16 रनों की पारी के दौरान कभी सहज नहीं दिखे। कुक ने से कहा, 'वह सभी प्रारूपों में इंग्लैंड का अब तक के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है पर वह आक्रामक शैली में ढ़लने के दौरान संघर्ष करता हुआ दिखता है।'

कुक ने कहा, 'वह टीम के दूसरे खिलाड़ियों को आक्रामक शॉट खेलते हुए देखते हैं, जो उन खिलाड़ियों की शैली के अनुरूप है पर रुट के नहीं। साथ ही कहा कि रूट ने टेस्ट में 11,500 से ज्यादा रन बनाए हैं। वह शानदार बल्लेबाज है। स्टोक्स और मैक्कुलम जो कर रहे हैं उसमें जगह बनाने की बेताबी में कभी-कभी वह आक्रामक और रक्षात्मक खेल का सही संतुलन नहीं बना पा रहे हैं।'

आने वाले मैचों में भारतीय बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा : जहीर

शुभमन और यशस्वी के प्रयासों से जीते दूसरा टेस्ट

विशाखापत्तनम ।

पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आने वाले मैचों में भारतीय बल्लेबाजों को काफी प्रसास करने होंगे। जहीर ने कहा कि भले ही भारतीय टीम ने दूसरा टेस्ट जीत लिया है पर उसकी बल्लेबाजी ठीक नहीं कही जा सकती है। उसे ये जीत यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की अच्छी बल्लेबाजी के कारण मिली है। यशस्वी और शुभमन ने जहां अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं जसप्रीत बुमराह ने प्रभावी गेंदबाजी करते हुए मैच में कुल नौ विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट को 106 रन से जीतकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर पर ला दी है। जहीर ने कहा, 'जब आप टीम के प्रदर्शन को उम्मीद के अनुसार नहीं पाते हैं तो कुछ चिंताएं होना स्वाभाविक है। बल्लेबाजी एक ऐसी ही चीज है। हमने पूर्व में इन हालातों में इस तरह की पिचों पर भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करते हुए देखा है। उन्होंने कहा, 'आप अगर इंग्लैंड की दूसरी पारी पर ध्यान दें तो एक ही बल्लेबाज अर्धशतक लगा पाया था फिर भी उनकी टीम 300 रन के पास पहुंच गयी। वहीं भारतीय टीम की ओर से दूसरी पारी में शुभमन के शतक के बाद भी टीम 255 रन ही बना पायी। इस प्रकार देखा जाये तो सभी के प्रयासों से बड़ा स्कोर बनता है। इसको देखते हुए ये तय है कि अभी भारतीय बल्लेबाजों को और मेहनत करनी होगी।

बुमराह से निपटने का तरीका तलाशना होगा : मैकुलम

राजकोच ।

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए मेहमान टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया था। बुमराह ने पहली पारी में 45 रन देकर छह विकेट लेकर मेहमान टीम को रक्षात्मक रुख पर मजबूर कर दिया था। भारतीय टीम ने इस प्रकार दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। इससे अब बचे हुए तीन मैचों के लिए इंग्लैंड टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। मैकुलम का मानना है कि अब टीम को बुमराह से निपटने का रास्ता तलाशना होगा। बुमराह की घातक गेंदबाजी से ही इंग्लैंड की टीम पहली पारी में केवल 253 रन ही बना पायी। कोच ने कहा कि उनकी टीम सिद्धांतों पर विश्वास नहीं करती पर वे बुमराह को खेलने का तरीका ढूंढने की कोशिश करेंगे. मैकुलम ने कहा, '' हम वास्तव में सिद्धांतों पर काम नहीं करते हैं। हम यह तय कर रहे है कि हमारे खिलाड़ी मौजूदा समय में रहे और वे अपने तरीके पर भरोसा करे। वे इस मामले में मुझसे कहीं बेहतर हैं और वे इस पर काम करेंगे कि इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। इस बारे में उनका तरीका बिलकुल अलग हो सकता है। हम देखेंगे कि हम क्या हासिल कर पाते है। अभी के लिए हमें बुमराह की तारीफ करनी होगी और कहना होगा कि वह पहली पारी में काफी शानदार गेंदबाजी कर रहे थे।'' मैकुलम ने बुमराह के कौशल की तारीफ करते हुए कहा, ''उसके पास हर हालात में गेंदबाजी करने की क्षमत है। गेंद जब स्विंग होती है तो वह ज्यादा खतरनाक होता है। वह कमाल का गेंदबाज है। वह अपनी तरह का एकमात्र गेंदबाज है जो हवा से ही काफी स्विंग हासिल करता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह बहुत अच्छा गेंदबाज हैं पर हमने भी काफी अच्छे गेंदबाजों का सामना किया है और उसी आधार पर हम आगे खेलने उतरेंगे।

दक्षिण अफ्रीका 20 लीग से बेहतर खिलाड़ी निकालना चाहते हैं स्मिथ

केपटाउन ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा कि वे भी आईपीएल की तरह ही दक्षिण अफ्रीका 20 लीग से भी राष्ट्रीय टीम के लिए हर प्रारूप के बेहतर खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं। स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित दिखे। हर प्रारूप में खेलने वाले सबसे सफल खिलाड़ियों में रहे स्मिथ ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट के पास काफी प्रतिभाएं हैं। साथ ही कहा कि यशस्वी और शुभमन की प्रतिभा आईपीएल से ही निखरी थी। इसके बाद से ही ये खिलाड़ी टेस्ट में भी अच्छा खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, ' अब प्रतिभाएं कई मंचों से आ रही है और अगर आप में प्रतिभा है तो आप हर प्रारूप में खेल सकते हैं। स्मिथ का मानना है कि खेल के विकास और उसे आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिये टी20 जरूरी है। साथ ही कहा, 'मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है और मैं चाहता हूं कि यह मजबूत रहे। टी20 क्रिकेट से खेल को नए दर्शक, नए खिलाड़ी और नए बाजार मिल रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट को मजबूत बनाने के लिये भी जरूरी है कि हमारी अपनी लीग बेहतर तरीके से काम करे। टीम के टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन से स्मिथ निराश हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं पर किसी का भी 40 से ऊपर औसत नहीं है जबकि हमारे समय में छह खिलाड़ी ऐसे थे जिनका औसत 50 से ऊपर था। स्मिथ का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट के सामने असल चुनौती आर्थिक ढांचा है। एमसीसी क्रिकेट समिति के सदस्य ने कहा, 'हर कोई शेड्यूल की बात करता है लेकिन असल में समस्या वित्तीय मॉडल है।

हम एमसीसी क्रिकेट समिति की बैठकों में भी बात करते हैं कि राजस्व साझा करने का मॉडल क्या होना चाहिये कि सभी देश आर्थिक रूप से इतने मजबूत हों कि टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहें। वहीं खिलाड़ियों को लगता है कि टी20 में ज्यादा पैसा है और वे उसे अधिक महत्व देते हैं जिससे दूसरे प्रारूप प्रभावित होते है।

उदय सहारन को भारतीय टीम के अंडर-19 विश्वकप जीतने का भरोसा

जोहांसबर्ग ।

भारतीय अंडर19 टीम के कप्तान उदय सहारन को भरोसा है कि उनकी टीम अब 11 फरवरी को होने वाले खिताबी मुकाबले में जीत हासिल करेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में कप्तान उदय सहारन ने शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है तो ये उपलब्धि हासिल करने वाले सहारन छठे भारतीय कप्तान बन सकते हैं। भारतीय टीम का मुकाबला फाइनल में पाकिस्तान या ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा। आईसीसी अंडर19 वर्ल्ड कप में अब तक पांच भारतीय कप्तानों को जीत मिली है। 36 साल पहले 1988 में पहला अंडर19 वर्ल्ड कप खेला गया था। तब से अब तक 14 बार यह टूर्नामेंट हुआ है। इनमें से 5 बार भारतीय टीम ने खिताब जीते हैं। वहीं अब भारतीय टीम के पास छठा खिताब जीतने का मौका भी है। अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है तो सहारन, मोहम्मद कैफ के साथ उस एलीट क्लब के कप्तानों में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने भारतीय टीम को जीत दिलायी है। भारतीय टीम को पहली जीत मोहम्मद कैफ की कप्तानी में मिली थी। इसके बाद उसने विराट कोहली, उन्मुक्त चंद बने, पृथ्वी शॉ और यश धुल की कप्तानी में ये खिताब जीते हैं।

बुमराह की गति को नहीं समझ पाये हैं स्टोक्स : आथर्टन

विशाखापत्तनम ।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन ने कहा है कि टीम के वर्तमान कप्तान बेन स्टोक्स इस सीरीज में अब तक भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गति को समझ नहीं पाये हैं। आथर्टन के अनुसार इसीलिए स्टोक्स अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। आथर्टन के अनुसार स्टोक्स को इस सरीज में अब तक बुमराह की गति को समझने में परेशानी हुई है। उन्हें अब तक दो टेस्ट मैच की चार पारियों में दो बार बुमराह ने ही आउट किया है। आथर्टन ने कहा कि बुमराह की गति को समझना कठिन है और यही स्टोक्स के साथ हो रहा है। स्टोक्स तेज गेंदबाजी के खिलाफ बेहतर बल्लेबाज माने जाते हैं। इसके बाद भी वह बुमराह के खिलाफ रन नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने बुमराह को लेकर खेलने में जल्दबाजी की है। इसके साथ ही वह गति को समझने में भी असफल रहे हैं। जब उसने बुमराह को आउट किया तो ऐसा लगा कि गेंद नीची रही है पहले 2 टेस्ट में 15 विकेट लेने वाले बुमराह ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 45 रन देकर छह विकेट लिए और उनकी गेंदबाजी का मुख्य आकर्षण ओली पोप को फेंकी गयी यॉर्कर गेंद थी। आथर्टन ने माना है कि इस प्रकार की गेंद पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यह शानदार यॉर्कर था। जिससे बल्लेबाज के पास विकल्प नहीं थे।

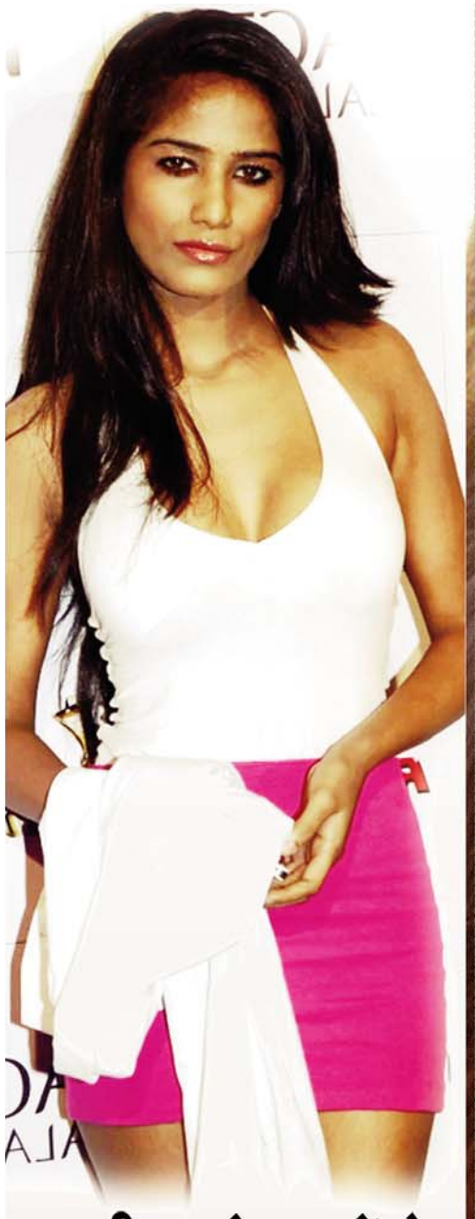

अपनी आलोचनाओं से तिलमिलाईं पूनम पांडे

सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरुक करने के लिए अपनी मौत की फर्जी खबर फैलाने को लेकर आलोचना का शिकार हो रही मॉडल और एक्ट्रेस पूनम पांडे ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है और कहा मुझे मार डालो, मुझे सूली पर चढ़ा दो, मुझसे नफरत करो, लेकिन, जिसे तुम प्यार करते हो, उसे बचाओ। श्बांग नाम की मार्केटिंग एजेंसी, जो पांडे के साथ मिलकर इस अभियान को चला रही थी, ने भी माफी जारी करते हुए कहा, हां, हम हाउटरफ्लाई के साथ मिलकर सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पूनम पांडे की पहल में शामिल थे। शुरुआत करने के लिए हम दिल से माफी मांगना चाहेंगे। विशेष रूप से उन लोगों के प्रति जो किसी भी प्रकार के कैंसर की कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं या उनके प्रियजन कर रहे हैं।
हाउटरफ्लाई एक लाइफस्टाइल और एंटरटेनमेंट पोर्टल है, जो मिलेनियल विमेन को लक्षित करता है। नाटकीय घोषणा को समझाते हुए, जिसे कई लोगों ने सस्ते पीआर स्टंट के रूप में देखा, पांडे की एजेंसी द्वारा जारी बयान में कहा गया, हमारा एक्शन एकमात्र मिशन था कि सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरुकता बढ़ाना। साल 2022 में भारत में 1,23,907 सर्वाइकल कैंसर के केस और 77,348 मौतें दर्ज की गई। ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर भारत में मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं को प्रभावित करने वाली दूसरी सबसे ज्यादा घातक बीमारी है। आप में से बहुत से लोग अनजान हो सकते हैं, लेकिन, पूनम की अपनी मां ने कैंसर से बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। इतने करीब से इसे देखने और पर्सनल लाइफ में इस तरह की बीमारी से लड़ने की चुनौतियों से गुजरने के बाद पूनम रोकथाम के महत्व और जागरुकता की गंभीरता को समझती हैं। खासकर जब वैक्सीन मौजूद हो। यह दावा करते हुए निष्कर्ष निकाला गया,इस देश के इतिहास में यह पहली बार है कि सर्वाइकल कैंसर शब्द 1,000 से ज्यादा हेडलाइन में है। यह दोहराते हुए कि इस पहल के कारण जिन लोगों को ठेस पहुंची है, उनसे वह माफी मांगती है, एजेंसी ने कहा, फ्हम समझते हैं कि हमारे तरीकों ने अप्रोच के बारे में बहस छेड़ दी होगी। हमें किसी भी परेशानी के लिए खेद है, लेकिन अगर इस कदम के बाद बहुत जरूरी जागरुकता फैलती है और मौतों को रोका जा सकता है, तो ये इसका वास्तविक प्रभाव होगा।

श्रद्धा कपूर ने शेयर किया फोटो दिया अपनी शादी का हिंट

साल 2024 की शुरूआत होते ही कई सेलेब्स की शादी की खबरें सामने आने लगी हैं। जहां एक तरफ रकुल प्रीत सिंह अपनी शादी को लेकर लाइम लाइट में बनी हुई हैं। तो वहीं इस लिस्ट में अब शक्ति कपूर की बेटी का नाम भी जुड़ने वाला है। श्रद्धा कपूर ने हाल ही में अपनी शादी की खबरों को हवा दी है। श्रद्धा कपूर अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अकसर ही अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती नजर आती हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं। अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा कभी-कभी अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ जाती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है और साथ ही एक सवाल भी पूछा है। जिसे देखने के बाद एक्ट्रेस की शादी की खबरें तेज हो गई हैं। एक्ट्रेस के आज के कैप्शन के बाद उनके फैंस अंदाजा लग रहे हैं कि एक्ट्रेस ने शादी का मन बना लिया है। दरअसल श्रद्धा कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिनमें वह बहुत ही सुंदर लग रही हैं। तस्वीरों में वह गुलाबी रंग की सूट पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने सूट के साथ लंबे गोल्डन झुमके पहने हुए हैं और बिंदी भी लगाई हुई है। अपनी इस पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'अच्छी लग रही हूं, शादी कर लूं?
श्रद्धा कपूर की फोटो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि हां हां जरूर जल्दी-जल्दी। एक यूजर ने लिखा कि' शादी के लिए पंडित चाहिए तो मुझे ही बुलाना।' एक यूजर ने लिखा कि 'ट्रैफिक जाम हो गया है, इस फोटो की वजह से।' एक यूजर ने लिखा कि 'मुझे 21 साल का तो होने दीजिए।' एक यूजर ने लिखा 'पापा शक्ति कपूर से पूछ रही हो या मुझसे। मैं तो तैयार हूं।' श्रद्धा कपूर ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि मैं जब भी शादी करूंगी और जिससे भी करूंगी, मैं उस शख्स के साथ पूरी तरह क्रैक होने वाली हूं। श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें तो 'तू झूठी मैं मक्कार' के हिट के बाद श्रद्धा कपूर अपनी आगामी फिल्मों 'स्त्री 2' और 'चंदू चैम्पियन' की शूटिंग में बिजी हैं। ये फिल्में अगले साल तक रिलीज होंगी। अब फिल्मफेयर के करीबी सूत्रों की मानें तो श्रद्धा और राहुल मोदी की नजदीकियां बढ़ रही हैं। श्रद्धा के वर्क फ्रंट पर नजर डालें तो उनकी अगली फिल्म स्त्री 2 है, जिसमें वह राजकुमार राव के साथ नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज डेट 31 अगस्त है। उनके पास नागिन और चालबाज जैसी फिल्में भी हैं। श्रद्धा की पिछली फिल्म पिछले साल रणबीर कपूर के साथ आई तू झूठी मैं मक्कार थी।

लापता लेडीज के लिए आमिर खान ने भी दिया था ऑडिशन

किरण राव फिल्म लापता लेडीज से 13 साल के बाद बतौर निर्देशक वापसी कर रही हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में किरण ने पर्दे के पीछे का एक दिलचस्प विवरण साझा किया। उन्होंने खुलासा किया कि उनके पूर्व पति आमिर खान ने फिल्म में रवि किशन की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था। हालांकि, उनके ऑडिशन टेप को देखने के बाद, किरण को लगा कि रवि इस भूमिका में आमिर से आगे निकल गए। जब आमिर से लापता लेडीज में एक विशेष भूमिका निभाने के बारे में पूछा गया, तो किरण ने स्वीकार किया कि उनके और आमिर के बीच इस बात पर बहुत चर्चा हुई थी कि क्या उन्हें रवि किशन द्वारा निभाया गया मनोहर का किरदार निभाना चाहिए। एक बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि आमिर ने इस भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था और वे वास्तव में अच्छा था, लेकिन जब किरण ने उन्हें रवि किशन का ऑडिशन टेप दिखाया, तो आमिर इस बात पर सहमत हो गए कि किशन इस भूमिका के लिए उपयुक्त हैं।
किरण ने कहा, रवि किशन ने इस किरदार में पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया, क्योंकि आप नहीं जानते कि उनसे क्या उम्मीद की जाए। जब आमिर किसी भूमिका में होते हैं, तो वे अपने किरदार के लिए उम्मीदें स्थापित कर लेते हैं। आमिर उस फैसले पर पूरी तरह सहमत थे कि रवि इसे बेहतर तरीके से कर सकते हैं और शायद,वे इसके साथ पूरा न्याय नहीं कर पाए। किरण ने अपनी कास्टिंग पसंद और जानबूझकर फिल्म में कम जाने-पहचाने चेहरों को चुनने को लेकर भी विचार साझा किए। उन्होंने बताया, मैं वास्तव में भाग्यशाली थी, क्योंकि आमिर इस विचार का पूरी तरह से समर्थन किया था। उन्होंने यह भी दृढ़ता से महसूस किया कि कहानी को ऐसे चेहरों के साथ और प्रामाणिक बनाने की जरूरत है, जो इस ग्रामीण परिवेश में बहुत विश्वसनीय होने के लिए पर्याप्त ताजा हों और साथ ही इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें। लापता लेडीज अनुभवी अभिनेताओं और नए चेहरों के मिश्रण के साथ एक ताजा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

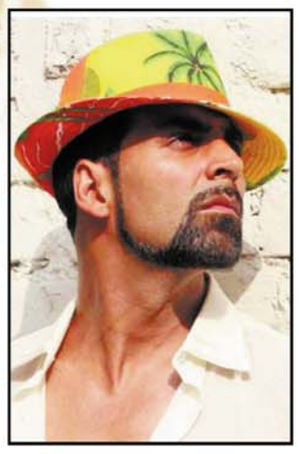

मैं लंबे समय से शिव भक्त हूं

अक्षय कुमार अपने यूजिक वीडियो शंभू के साथ एक शक्तिशाली अनुभव दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से शिव भक्त रहे हैं।2023 की फिल्म ओएमजी 2 में भगवान शिव की भूमिका निभाने वाले अक्षय ने कहा- शंभू मेरे दिल में एक गहरी जगह से आता है, जो केवल जय श्री महाकाल के नाम से धड़कता है! मैं लंबे समय से शिव भक्त रहा हूं लेकिन हाल ही में उनके साथ मेरा संबंध और उनके प्रति भक्ति और भी गहरी हो गई है। एक्शन स्टार का कहना है कि भगवान शिव शक्ति हैं, प्रेम हैं और जरूरत पड़ने पर मदद भी करते हैं। अक्षय ने कहा, वह उद्धारकर्ता हैं, वह समर्पण हैं, जिसके प्रति हम सभी समर्पण करना चाहते हैं, वह सब कुछ हैं और अंत हैं।इस गीत के साथ, मैं बस उस अनंत चेतना को एक बूंद अर्पित करता हूं, जो शिव हैं! जय श्री महाकाल। शिव गान को बहुमुखी प्रतिभा के धनी अक्षय ने सुधीर यदुवंशी और विक्रम मॉन्ट्रोज़ के साथ गाया है। टाइस यूजिक के सीईओ मंदार ठाकुर ने कहा, हम इस दिव्य संगीत उद्यम में अक्षय कुमार के साथ सहयोग करके रोमांचित हैं।

संदीप को आमिर से आमने सामने करनी चाहिए बात

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल को लेकर हाल के दिनों में खूब विवाद हो रहा है। एनिमल साल 2023 की सबसे बड़ी हिट रही, फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया लेकिन फिल्म में महिला किरदार को लेकर कुछ लोगों ने इसकी आलोचना भी की। हाल ही में संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म की आलोचना करने को लेकर किरण राव पर प्रतिक्रिया दी थी। संदीप ने कहा था किरण राव को उनकी फिल्मों पर टिप्पणी करने से पहले आमिर खान के काम को देखना चाहिए। संदीप की इस प्रतिक्रिया का जवाब देते हुए किरण ने कहा, उन्होंने कभी भी उनकी किसी फिल्म का नाम नहीं लिया। किरण ने आगे कहा कि अगर संदीप को कुछ कहना तो उन्हें आमिर से आमने-सामने बात करनी चाहिए।

ड्रीम गर्ल बन दिलों पर राज करने को तैयार करिश्मा कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर जल्द ही मर्डर मुबारक के साथ अपना कमबैक करेंगी। सस्पेंस, कॉमेडी और रोमांस से भरपूर ये फिल्म 15 मार्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। आज नेटफ्लिक्स ने एक वीडियो साझा कर मर्डर मुबारक की घोषणा की है। निर्देशक होमी अदजानिया ने इसे निर्देशित किया है।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाएगा। मर्डर मुबारक अनुजा चौहान की किताब क्लब यू टू डेथ का स्क्रीन रूपांतरण है। मेकर्स आज फिल्म का एक वीडियो साझा किया है। यह वीडियो बेहद ही रोचक है। इसे देखने के बाद फिल्म का देखने का उत्साह और बढ़ गया है। करिश्मा कपूर के सथ इसमें इसमें सारा अली खान, विजय वर्मा, डिंपल कपाड़िया, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा और सुहैल नैय्यर जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। ये सभी कलाकार फिल्म में कुशलतापूर्वक अपने किरदारों के गुप्त उद्देश्यों को छिपाते हैं। वहीं, पंकज त्रिपाठी भी इस फिल्म में अहम भूमिका में नजर आएंगे, जो एक गैर-पारंपरिक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगे। वह एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उनकी दुनिया में कदम रखते हैं। वह जानते हैं कि वहां जो दिखता है उससे कहीं अधिक है। फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया ने कहा, मर्डर मुबारक उन अभिनेताओं का एक सिनेमाई मिश्रण है, जिन्हें विभिन्न शैलियों और पीढ़ियों से प्यार किया जाता है और मेरा विश्वास है कि उनमें से हर एक ने इन विलक्षण पात्रों को जीवन में लाने के लिए बहुत अच्छा काम किया है। इस फिल्म में वह जबरदस्त जादू है, जो इसे देखने के लिए बाध्य करता है। यह एक रंगीन हत्या का रहस्य है, जो आपको इसे दोबारा देखने पर मजबूर कर देगा। वहीं, मैडॉक फिल्म्स के निर्माता, दिनेश विजन ने कहा, यह छठा प्रोजेक्ट है जिसमें होमी और मैं काम कर रहे हैं और मैं एक अनोखी मनोरंजक कहानी ढूंढकर आगे बढ़ना चाहता था और फिर ऐसा हुआ। इसके अलावा, इस तरह के एक विविध समूह के साथ एक ऐसी स्क्रिप्ट को जीवंत करना, जो मेरे द्वारा पढ़ी गई सबसे विचित्र और अधिक मनोरंजक हत्या के रहस्यों में से एक है, मेरे लिए बहुत रोमांचक थी।

प्रभास की कल्कि 2898 एडी में खास भूमिका निभाएंगे जूनियर एनटीआर-नानी

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी कल्कि 2898 एडी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। प्रभास की यह फिल्म इस साल रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी फैंस का उत्साह बढ़ा देती है। फिल्म में प्रभास के साथ कई सितारे हैं और तमाम सितारों से सजी यह फिल्म दर्शकों को एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने का वादा कर रही है। अब फिल्म में कुछ और अभिनेताओं के शामिल होने की खबर आ रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय देवरकोंडा फिल्म में अतिथि भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा ऐसी अटकलें हैं कि साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और नानी की भी भूमिकाएं होंगी। यह अफवाह है कि जूनियर एनटीआर परशुराम का किरदार निभा सकते हैं, जबकि कहा जाता है कि नानी फिल्म के चरमोत्कर्ष से पहले कृपाचार्य की भूमिका निभाएंगे। अभिनेता विजय देवरकोंडा इवाडे सुब्रमण्यम में नाग अश्विन के साथ अपने पिछले सहयोग पर आधारित फिल्म में एक कैमियो कर रहे हैं। प्रशंसक बेसब्री से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि विजय की भूमिका कहानी में उत्साह बढ़ाएगी। इसके अतिरिक्त दुलकर सलमान के भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अफवाह है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गई है। प्रभास के प्रशंसक कल्कि 2898 एडी में उनकी भूमिका का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो समय यात्रा अवधारणाओं के साथ महाभारत महाकाव्य का एक विशिष्ट मिश्रण है। संतोष नारायणन ने संगीत का निर्देशन किया है। वहीं, अश्विनी दत्त और वैजयंती मूवीज के बैनर तले फिल्म का निर्माण हुआ है। यह फिल्म इस साल गर्मियों में सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज का रोल प्ले करेंगे शाहिद कपूर

2018 की हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म पद्मावत में राजा रावल रतन सिंह की बेहतरीन भूमिका निभाने के बाद शाहिद कपूर जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही हिस्टोरिकल फिल्म में अहम किरदार निभाने वाले हैं। इस फिल्म को ओह माय गॉड 2 फिल्म के डायरेक्टर अमित राय डायरेक्ट करने वाले हैं। ये आने वाले दिनों की मेगा बजट फिल्मों में से एक होगी। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, शाहिद कपूर, ओह माय गॉड 2 के डायरेक्टर अमित राय से इस प्रोजेक्ट पर चर्चा कर रहे हैं। ये हिस्टोरिकल फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित होने वाली है, जिसे अश्विन वर्दे के बैनर वकाओ फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। दोनों के बीच पिछले कई दिनों से चर्चा जारी है, जो लगभग फाइनल स्टेज पर है। अमित राय की बात करें, तो उन्होंने 2023 में रिलीज हुई हिट फिल्म ओह माय गॉड 2 का डायरेक्शन किया है। इससे पहले उन्होंने एक हिंदी फिल्म रोड टू संगम का निर्देशन किया था। मराठी फिल्म तिंग्या के वे एसोसिएट डायरेक्टर रहे हैं। 2023 की पंजाबी फिल्म डियर जस्सी उन्होंने लिखी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज पर बनी ये फिल्म अमित राय के निर्देशन की तीसरी फिल्म होगी।

50+
AGENTS

BUYING OR SELLING A PROPERTY?

LET'S WORK TOGETHER!

Buying or selling a property can be a stressful process if you don't have the right real estate agent. With 25 years of experience, you can rely on us to get you the best possible result.

propre
Luxury Real Estate

CONTACT:

INFO@PROPRELUXURYREALESTATE.COM
+91 9871577057
@PROPRELUXURYREALESTATE.COM

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in